तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 37 अंक 137 | कोरबा, सोमवार , दिनांक 16 फरवरी 2026 डाक 17 फरवरी 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

सुनालिया ज्वेलर्स

हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता

मो. 94255-32524,94241-43922

पावर हाउस रोड, कोरबा

विविधा — वाराणसी में महा शिवरात्रि के मौके पर लोग मणि मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

देश-विदेश — यूपीए के आर्थिक कुप्रबंधन से टूटती थीं डील अब आत्मविश्वास से भरा है भारत: पीएम मोदी

फीचर पेज — घर के बगीचे में आसानी से उगाया जा सकता है खीरा, जानिए इसका तरीका

केमिकल फैक्ट्री में जोरदार धमाका भीषण आग में 7 मजदूर जिंदा जले

भिवाड़ी, 16 फरवरी [एजेंसी]।

राजस्थान के भिवाड़ी स्थित खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक एक निजी औद्योगिक इकाई में लगी आग में करीब सात श्रमिकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के प्लॉट जी-1-118 बी में सोमवार सुबह अचानक आग भड़क उठी। सुबह 9 बजकर 22 मिनट पर पुलिस कंट्रोल रूम से रीको फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि आग ने कुछ ही मिनटों में भयानक रूप ले लिया और पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेज थी कि अंदर काम कर रहे श्रमिकों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार आग में झुलसकर करीब छह श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। राहत और बचाव टीम को अंदर से जो शव मिले, वे बुरी तरह जले हुए थे। कुछ शव इतने अधिक झुलस चुके थे कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। मृतकों की पहचान करने की कोशिश जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन के अधिकारी, दमकल विभाग की कई गाड़ियां, बचाव दल और मेडिकल टीमें मौके पर पहुंच गईं।

पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया और आग पर काबू पाने के साथ अंदर फंसे लोगों को निकालने का अभियान चलाया गया। अधिकारियों के अनुसार दो लोग अंदर फंसे होने की आशंका है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। आग लगने के कारणों का अभी तक साफ पता नहीं चल पाया है। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट या ज्वलनशील पदार्थों की वजह से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन ने मामले की मजिस्ट्रेट जांच के संकेत दिए हैं। साथ ही फैक्टरी के सुरक्षा इंतजामों की भी जांच की जाएगी। इस दर्दनाक हादसे के बाद औद्योगिक क्षेत्र में कामकाज प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को हर संभव मदद देने का भरोसा दिलाया है।

असम में चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका, भूपेन बोरा ने छोड़ी पार्टी

गुवाहाटी। असम में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। वरिष्ठ नेता और पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा ने पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने कांग्रेस में सभी पदों के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के अनुसार, बोरा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना त्यागपत्र भेजा है। पत्र में उन्होंने पार्टी नेतृत्व द्वारा उनकी अनदेखी करने और राज्य इकाई में उन्हें उचित स्थान नहीं दिए जाने का आरोप लगाया। वहीं मीडिया से बात करते हुए भूपेन बोरा ने जानकारी देते हुए कहा कि मैंने आज सुबह 8 बजे कांग्रेस आला कमान को अपना इस्तीफा भेज दिया और विस्तार से बताया कि मुझे यह कदम उठाने के लिए क्यों मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह कोई व्यक्तिगत निर्णय नहीं है। मैंने पार्टी को 32 साल दिए। मैं 1994 में पार्टी में शामिल हुआ था। यह सिद्धांत केवल व्यक्तिगत नहीं है, यह पार्टी के भविष्य की चिंता से प्रेरित है। इसीलिए मैंने कांग्रेस हाई कमान को सब कुछ विस्तार से बताया है।

मणिशंकर अय्यर का कांग्रेस नेताओं पर बड़ा हमला

शशि थरूर विदेश मंत्री बनना चाहते हैं और पवन खेड़ा एक कठपुतली

नईदिल्ली 16 फरवरी [एजेंसी]।

अपने बयानों की वजह से विवादों में रहने वाले कांग्रेस के पुराने नेता मणशंकर अय्यर ने अपनी पार्टी के दिग्गज नेताओं को निशाने पर लिया है। उन्होंने शशि थरूर, पवन खेड़ा और जयराम रमेश के बारे में विवादित बातें कहीं। उनका यह भी कहना है कि कांग्रेस पार्टी केरल में चुनाव नहीं जीत पाएगी। मणिशंकर अय्यर ने कहा, कांग्रेस पार्टी केरल में विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाएगी क्योंकि पार्टी के नेता कम्युनिस्टों से ज्यादा एक-दूसरे से नफरत करते हैं। अय्यर का यह बड़ा बयान केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की हाल ही में की गई तारीफ पर मचे बवाल के बीच आया है। उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि आने वाले चुनावों के बाद भी लेफ्ट के दिग्गज नेता टॉप पोस्ट पर बने रहेंगे। कांग्रेस ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया है। पार्टी नेता पवन खेड़ा ने कहा कि अय्यर का कांग्रेस से कोई लेना-देना नहीं है और वह अपने व्यक्तिगत विचार पेश कर हैं। इस पर अय्यर ने खेड़ा को कठपुतली बताया और कहा कि वह पार्टी के प्रवक्ता नहीं हैं। उन्होंने कहा, वह पिछले दो साल से मुझ पर आरोप लगा रहे हैं। अगर कांग्रेस पार्टी को पवन खेड़ा के अलावा कोई और प्रवक्ता नहीं मिला तो उसकी हालत ऐसी ही होगी। केरल में कांग्रेस की जीत की संभावनाओं पर एक सवाल के जवाब में अय्यर ने कहा, मैं चाहता हूं कि कांग्रेस जीते, लेकिन मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा क्योंकि कांग्रेस के नेता बंटे हुए हैं। वे कम्युनिस्टों से ज्यादा एक-दूसरे से नफरत करते हैं। अय्यर ने तिरुवनंतपुरम से चार बार के सांसद शशि थरूर पर भी तीखी टिप्पणी की। थरूर को एंटी-पाकिस्तान बताते हुए अय्यर ने कहा कि वह अगला विदेश मंत्री बनने की ख्वाहिश पाले हुए हैं। अय्यर ने यह भी कहा कि कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश को अपनी नौकरी बचानी है।

बलूच लिबरेशन आर्मी ने 7 पाकिस्तानी फौजी को किया अगवा

इस्लामाबाद को दिया सात दिन का अल्टीमेटम

नई दिल्ली। अलगाववादी मिलिटेंट ग्रुप बलूच लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि उसने पाकिस्तान के सिक्योरिटी फोर्स के सात सदस्यों को हिरासत में ले लिया है। बीएलए ने यह भी दावा किया है कि उसने इन कैदियों की अदला-बदली के लिए पाकिस्तानी सरकार को सात दिन की डेडलाइन दी है।

किम जोंग उन के परिवार में अब मचेगा क्लेश!

बहन या बेटी, कौन होगा उत्तर कोरिया के तानाशाह का वारिस ?

कोरिया, 16 फरवरी एजेंसी ।

दुनिया को अपनी धौंस दिखाने वाला उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन गृह क्लेश का सामना कर सकता है। इस बात की जानकारी दक्षिण कोरिया की एक जासूसी एजेंसी ने दी।उसका कहना है कि किम जोंग उन की बेटी किम जू ए देश की अगली नेता बनने के लिए तैयार है और वह इसके बेहद करीब है। यह कदम भविष्य में जू को अपनी आंटी किम यो जोंग के खिलाफ खड़ा कर सकता है।

साउथ कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस (एनआईएस) ने पिछले हफ्ते सांसदों को बताया कि किम जू ए को आधिकारिक तौर पर किम का वारिस बनाया जाने वाला है। जू की आयु सिर्फ 13 वर्ष बताई जा रही है। इसकी टाइमिंग बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि उत्तर कोरिया इस महीने के आखिर में अपनी सबसे बड़ी पॉलिटिकल कॉन्फ्रेंस की तैयारी कर रहा है। इसमें किम जोंग उन के बड़े लक्ष्य तय करने और अपनी पकड़ मजबूत करने की उम्मीद है। अधिकारियों का कहना है कि अब यह देखने वाली बात होगी कि किम जू ए इस कॉन्फ्रेंस में हजारों डेलीगेट्स के सामने अपने पिता के साथ आती है या नहीं। किम जू ए पहली बार नवंबर 2022 में एक लंबी दूरी के मिसाइल टेस्ट में सबके सामने आई थी।

एआई इंपैक्ट समिट: विज्ञान-तकनीक में तरक्की कर रहा भारत, दुनिया देखेगी हमारा सामर्थ्य : पीएम मोदी

नई दिल्ली 16 फरवरी। राजधानी दिल्ली में आज मेगा एआई इंडिया इम्पैक्ट समिट की शुरुआत हो रही है, जिसमें दुनिया भर के प्रमुख टेक लीडर्स और विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। इस बड़े आयोजन के तहत बाद में एआई इंडिया एक्सपो का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि दुनिया भर से लोगों का इस समिट में आना भारत के लिए गर्व की बात है और यह देश के युवाओं की क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह अवसर इस बात का प्रमाण है कि भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है और वैश्विक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यह हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है कि India AI Impact Summit के लिए दुनियाभर से लोग भारत आ रहे हैं। इससे हमारे देश के युवाओं के सामर्थ्य का भी पता चलता है। यह अवसर इस बात का भी प्रमाण है कि हमारा देश विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। पीएम ने आगे कहा कि 1.4 अरब भारतीयों की सामूहिक शक्ति के कारण देश आज एआई परिवर्तन के अग्रिम पंक्ति में खड़ा है। उन्होंने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम और अत्याधुनिक शोध को भारत की एआई प्रगति की प्रमुख ताकत बताया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एआई के क्षेत्र में भारत की तेज प्रगति केवल महत्वाकांक्षा ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी को भी दर्शाती है।

16 से 20 फरवरी तक चलने वाला एआई इंडिया इम्पैक्ट एक्सपो समिट के साथ आयोजित किया जा रहा है और इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक उपयोगों के राष्ट्रीय प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। करीब 70,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले इस एक्सपो के 10 एरीना में वैश्विक टेक कंपनियां, स्टार्टअप्स, शिक्षण संस्थान, शोध संगठन, केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें और अंतरराष्ट्रीय साझेदार भाग लेंगे। इस एक्सपो में 13 देशों के पवेलियन भी लगाए गए हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, स्विट्जरलैंड, सर्बिया, एस्टोनिया, ताजिकिस्तान और अफ्रीकी देशों की भागीदारी शामिल है, जो एआई इकोसिस्टम में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रदर्शित करेंगे।

फिर सलाखों के पीछे डेरा प्रमुख, 40 दिन की पैरोल काटकर सुनारियां जेल लौटा राम रहीम

रोहतक, 16 फरवरी [एजेंसी]।

साध्वी यौन शोषण और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में सजा काट रहा गुरमीत सिंह 40 दिन की पैरोल अवधि समाप्त होने के बाद दोबारा सुनारियां जेल पहुंच गया। निर्धारित समय पूरा होने पर वह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रविवार शाम को जेल में पेश हुआ। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत को वर्ष 2017 में पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने दो साध्वियों से दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराते हुए 20-20 वर्ष की सजा सुनाई थी। इसके अलावा पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में भी अदालत ने उसे दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा दी थी। तब से वह रोहतक की सुनारियां जेल में बंद है। पैरोल के दौरान वह निर्धारित शर्तों के तहत सिरसा डेरे में रहा। पैरोल अवधि पूरी होने पर उसे पुनः जेल में आत्मसमर्पण करना था, जिसके तहत वह रविवार शाम को सुनारियां जेल पहुंचा।

नीतीश सरकार का बड़ा फैसला

25 लाख महिलाओं के खातों में 2,500 करोड़ ट्रांसफर, स्वरोजगार को नई ताकत

पटना। बिहार में महिला सशक्तिकरण को नई राजनीतिक और आर्थिक धार देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को 25 लाख महिलाओं के खातों में 10-10 हजार की राशि ट्रांसफर की। कुल 2,500 करोड़ की यह मदद महिला रोजगार योजना के तहत सीधे बैंक खातों में भेजी गई। कार्यक्रम मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित हुआ, जहां कई वरिष्ठ मंत्री मौजूद रहे। सरकार ने इसे केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता अभियान का हिस्सा बताया। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए राशि सीधे लाभुकों तक पहुंचाई गई। इस कदम को आगामी चरणों की बड़ी तैयारी से भी जोड़कर देखा जा रहा है। सरकार के अनुसार योजना का उद्देश्य महिलाओं को छोटे व्यवसाय से जोड़ना है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उन्हें पूंजी उपलब्ध कराई जा रही है। योजना का संचालन मुख्य रूप से जीविका नेटवर्क के जरिए हो रहा है। ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर आय के स्थायी स्रोत तैयार किए जा रहे हैं।

ट्यूशन क्लास से घर लौट रहे किशोर को कार ने कुचला, मौत

जगदलपुर। शहर में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। ट्यूशन से घर लौट रहा 13 वर्षीय छात्र दक्ष पिल्लई सड़क हादसे का शिकार हो गया। बोधघाट थाना क्षेत्र में हुई इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। दक्ष अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। जिसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जानकारी के अनुसार आकाश नगर निवासी पवन पिल्लई का बेटा दक्ष पिल्लई कालीपुर स्थित हेम एकेडमी में कक्षा सातवीं का छात्र था। शाम करीब 5 बजकर 45 मिनट पर वह तीन दोस्तों के साथ साइकिल से ट्यूशन से लौट रहा था। एलआईसी रोड पर माहरा समाज भवन के पास पहुंचते ही धरमपुरा की ओर से आ रही तेज रफ्तार सफेद क्रेटा कार ने उसे टक्कर मार दी।

पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन: सात अफसर निलंबित, मतदाता सूची पुनरीक्षण के काम में गड़बड़ी के आरोप

कोलकाता / नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में लगे सात अधिकारियों को निलंबित किया गया है। चुनाव आयोग ने गंभीर कदाचार के आरोपी इन अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। राज्य के मुख्य सचिव को अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने का निर्देश भी दिया गया है। दोषी पाए गए सभी अफसर एसआईआर प्रक्रिया में सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। निर्वाचन आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13सीसी के तहत यह कार्रवाई की है। निलंबित किए गए सभी अधिकारी चुनाव आयोग के सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। बूथ स्तर के अधिकारी और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी आमतौर पर राज्य सरकार के कर्मचारी होते हैं, जिन्हें मतदाता सूची के अद्यतन और चुनाव प्रक्रिया में सहयोग के लिए आयोग में प्रतिनियुक्ति पर भेजा जाता है। आयोग के आदेश का हवाला देते हुए अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम बंगाल की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को निर्देश दिया गया है कि संबंधित अधिकारियों के खिलाफ उनके कैडर नियंत्रक प्राधिकरणों के माध्यम से बिना किसी देरी के अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाए। साथ ही, इस संबंध में की गई कार्रवाई की जानकारी आयोग को उपलब्ध कराई जाए।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

आईएएस अफसर ने तीसरा विवाह किया, पूर्व की दो पत्नियां हैं कलेक्टर

भोपाल 16 फरवरी। मध्य प्रदेश की प्रशासनिक गलियारों में इन दिनों एक नाम फिर चर्चा के केंद्र में है अवि प्रसाद। वजह इस बार कोई तबादला, सख्त कार्रवाई या विकास मॉडल नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी है। अवि प्रसाद ने तीसरी शादी कर ली है, और खास बात यह है कि उनकी पहली दो पत्नियां भी भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी हैं और वर्तमान में जिले की कलेक्टर के रूप में काम कर रही हैं। तीसरी पत्नी राज्य मंत्रालय में डिप्टी सेक्रेटरी हैं। अवि प्रसाद का प्रशासनिक करियर शुरुआत से ही उल्लेखनीय रहा है। वर्ष 2013 में उनका चयन भारतीय पुलिस सेवा में हुआ था, लेकिन उन्होंने दोबारा प्रयास किया और वर्ष 2014 की यूपीएससी परीक्षा में 13वीं रैंक हासिल कर भारतीय प्रशासनिक सेवा में स्थान बनाया। उनकी यह उपलब्धि उन्हें अपने बैच के प्रतिभाशाली अधिकारियों में शुमार करती है। वे मूलतः उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले से ताल्लुक रखते हैं। राजनीति और सार्वजनिक जीवन का माहौल उन्होंने बचपन से देखा। उनके दादा टम्बेश्वर प्रसाद उर्फ बच्चा बाबू चौधरी चरण सिंह की सरकार में मंत्री रहे थे। ऐसे में शासन-प्रशासन की समझ उन्हें विरासत में मिली, ऐसा उनके करीबी बताते हैं। दिल्ली में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के दौरान उनकी मुलाकात रिजु बाफना से हुई थी। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और बाद में विवाह हुआ। रिजु बाफना वर्तमान में मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले की कलेक्टर हैं और राज्य में एक सक्षम व सख्त प्रशासक के रूप में जानी जाती हैं। हालांकि यह रिश्ता लंबा नहीं चला। कुछ वर्षों बाद दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का निर्णय लिया और तलाक हो गया।

पहले रिश्ते के समाप्त होने के बाद अवि प्रसाद ने दूसरी शादी आंध्र प्रदेश की 2016 बैच की आईएएस अधिकारी मिशा सिंह से की। विवाह के बाद मिशा सिंह ने मध्य प्रदेश कैडर ले लिया। वर्तमान में वे रतलाम की कलेक्टर हैं और 2025 में उन्होंने जिले का कार्यभार संभाला। रतलाम में उनका कार्यकाल सक्रिय प्रशासनिक शैली के लिए जाना जा रहा है। विकास कार्यों के औचक निरीक्षण और योजनाओं की समीक्षा को लेकर वे अक्सर चर्चा में रहती हैं। हालांकि अवि प्रसाद और मिशा सिंह का यह रिश्ता भी ज्यादा समय तक नहीं चल पाया। करीब चार वर्षों बाद दोनों ने अलग होने का निर्णय लिया। अब अवि प्रसाद ने 2017 बैच की आईएएस अधिकारी अंकिता धाकरे से विवाह किया है। अंकिता धाकरे वर्तमान में राज्य मंत्रालय में डिप्टी सेक्रटरी के पद पर काम कर रही हैं। 11 फरवरी को दोनों ने कूनो राष्ट्रीय उद्यान में सादगीपूर्ण समारोह में विवाह किया। कूनो, जो हाल के वर्षों में अपने वन्यजीव संरक्षण प्रयासों के कारण राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित रहा है, इस निजी आयोजन का साक्षी बना। शादी की तस्वीरें सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कुछ लोगों ने इसे निजी निर्णय बताते हुए सम्मान की बात कही, तो कुछ ने लगातार वैवाहिक बदलावों पर सवाल उठाए। अवि प्रसाद की पहचान केवल उनकी निजी जिंदगी तक सीमित नहीं है। वे मध्य प्रदेश शासन में एक भरोसेमंद और तेजतर्रार अधिकारी माने जाते हैं। फिलहाल वे मध्य प्रदेश रोजगार गारंटी परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारीकी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

हेलीपैड ग्राउंड में कार से स्टंटबाजी दहशत में राहगीर, कार्रवाई की मांग

कोरबा। शहर के मुड़ापार हेलीपेड ग्राउंड पर कार सवार युवकों ने स्टंटबाजी की। इस दौरान कई राहगीर कार की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए।

शहर के घंटाघर से एसईसीएल कॉलोनी जाने वाले मार्ग किनारे स्थित मुड़ापार हेलीपेड ग्राउंड पर सुबह के समय, जहां लोग क्रिकेट खेलने और मॉर्निंग वॉक के लिए पहुंचते हैं तो अन्य समय लोग वाहन ड्राइविंग सीखने जाते हैं, लेकिन वर्तमान में सोशल मीडिया पर दिखाने युवा वर्ग वाहन लेकर स्टंटबाजी करने भी हेलीपेड ग्राउंड पहुंच रहे हैं। ऐसे ही कार सवार युवक ने स्टंटबाजी की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक कार को खतरनाक तरीके से चलाते हुए गोल घुमाकर स्टंटबाजी करते नजर आया, जिसमें एक स्कूटी में सवार युवक समेत कई राहगीर स्टंटबाजी के दौरान कार की चपेट में आने से बाल-बाल बचते दिखें। स्टंटबाजी की वजह से हेलीपेड की ओर से मुड़ापार पीएम आवास समेत आसपास क्षेत्र के लिए आवाजाही करने वाले दहशत में रहे।

मुक्तिधाम परिसर में शिव प्रतिमा का अनावरण किया मंत्री देवांगन ने

कोरबा। जेसीआई कोरबा द्वारा मोतीसागर पारा बस्ती के समीप मुक्तिधाम में भगवान शंकर की 18 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है। महाशिवरात्रि पर रविवार को प्रतिमा का अनावरण उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने किया। इस दौरान उन्होंने पूजा अनुष्ठान भी किए। उन्होंने कहा कि जब वह कोरबा के महापौर थे, तब इस मुक्तिधाम का कायाकल्प किया गया था। जेसीआई इस मुक्तिधाम की व्यवस्था का संचालन और रखरखाव बेहतर तरीके से कर रही है।

इस दौरान टीएन बजाज, अभिषेक अग्रवाल, रामकुमार सोनी, रोहित असरानी, निश्चल टमकोरिया, पीएस गांधी, सभापति नूतन सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, पार्षद रूबी सागर, पार्षद राधा महंत, पार्षद टामेश अग्रवाल, पार्षद नरेंद्र देवांगन, मंडल अध्यक्ष योगेश मिश्रा, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल उपस्थित रहे।

यहां से मंत्री देवांगन मानिकपुर में भगवान शंकर की प्राण-प्रतिष्ठा में शामिल हुए। समिति की मांग पर मंदिर के पास सामुदायिक भवन के लिए 15 लाख देने की घोषणा की। नेहरू नगर कुआं भट्ठा में महिला समिति द्वारा आयोजित शिव मंदिर परिसर में रुद्राभिषेक में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में किचन शेड के लिए 5 लाख की घोषणा की। बालको नगर के परसाभाठा बिहीबाड़ी में नवनिर्मित शंकर मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा में शामिल हुए। समिति की मांग पर मंदिर परिसर में सामुदायिक भवन के? लिए 10 लाख की घोषणा की। नगर निगम क्षेत्र के गौरी शंकर मंदिर के समीप बने 10 लाख की लागत के सामुदायिक भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया।

9 वर्ष के बच्चे की जलसमाधि पंतोरा क्षेत्र की नहर में मिला शव

कोरबा । कोरबा जिले के उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम तरदा मोहल्ला जंगलपारा में रविवार दोपहर एक 9 वर्षीय बालक की नहर में डूबने से मौत हो गई। बालक का नाम रोशन कंवर था। घटना की सूचना मिलने पर उरगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

रोशन कंवर कोथारी कचोरा का निवासी था। उसके पिता विष्णु कंवर मजदूरी और खेती का काम करते हैं। रोशन कुछ दिनों पहले तरदा आया हुआ था। रविवार दोपहर वह अपनी मामी और नानी के साथ नहाने गया था। नहाते समय रोशन ने कथित तौर पर कहा कि उसे तैरना आता है और वह अचानक तेज बहाव वाली नहर में कूद गया।तेज बहाव में बहा रोशन, बचाने की कोशिश नाकाममौजूद लोग उसे बहते हुए देखते रह गए। पानी का बहाव इतना तेज था कि रोशन तुरंत आगे बह गया। लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए।घटना के बाद पुलिस ने बालक के शव की तलाश शुरू की। लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद जांजगीर जिले के पंतोरा के पास उसका शव बरामद किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर आगे की कार्रवाई की।उरगा थाना प्रभारी राजेश तिवारी ने बताया कि इस मामले में मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।घटनास्थल पर मृतक के माता-पिता और ग्रामीण भी पहुंचे। इस दुखद घटना से परिवार में शोक का माहौल है।

ग्रामीणों को बांटे निःशुल्क मुर्गी चूजा और दाने

कोरबा। ग्राम पंचायत शुक्लाखार में पशुपालन को बढ़ावा देने और ग्रामीणों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से सहायक पशु चिकित्सा विभाग निःशुल्क मुर्गी चूजा और दाना बांट रहा है। कार्यक्रम में सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह कंवर, डॉ. आरके अग्रवाल व डॉ. चंद्रशेखर सेन की उपस्थिति में लगभग 1500 मुर्गी के चूजे व दाना हर्राभाठा, शुक्लाखार व ढबढब के ग्रामीणों को दिया। अधिकारियों ने बताया कि शासन की योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने और आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। उन्होंने किसानों को मुर्गी पालन, रख-रखाव, टीकाकरण व पोषण संबंधी जानकारी भी प्रदान की। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए विभाग का आभार व्यक्त कर कहा कि इससे उन्हें अतिरिक्त आय का साधन मिलेगा और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण किसान उपस्थित रहे।

हंसराज रघुवंशी और खुशबू के गीतों ने दर्शकों पर चलाया जादू

विक्रमादित्य द्वितीय के ऐतिहासिक शिव मंदिर क्षेत्र में हुआ महोत्सव ,संगीत और नृत्य पर झूमे लोग

कोरबा । पाली महोत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ उत्साह और उमंग के साथ हुआ, जहाँ श्रोताओं ने ऐतिहासिक पाली शिव मंदिर की पावन छाया में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया। मंच पर बॉलीवुड के लोकप्रिय गायक सलमान अली, खुशबू ग्रेवाल, और मीत ब्रदर्स ने फिल्मी गीतों से दर्शकों का मन मोह लिया।

साथ ही महाशिव भक्त हंसराज रघुवंशी ने भगवान भोलेनाथ की आराधना से भक्तिमय माहौल बना दिया। श्रोताओं ने महोत्सव में प्रस्तुत विविध सांगीतिक कार्यक्रमों का भरपूर आनंद लिया। बॉलीवुड सिंगर सलमान अली* ने अपनी मधुर आवाज़ में 'देवा श्री गणेशा', 'तेरी दीवानी', 'सांसों की माला में सिमरू मैं पी का नाम', 'रश्के कमर' और 'कजरा मोहब्बत वाला' जैसे लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए। उनकी प्रस्तुति में श्रोताओं ने झूमकर सहभागिता की और कई गीतों पर उन्होंने तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।*खुशबू ग्रेवाल* और *मीत ब्रदर्स* ने हिंदी सिनेमा के अनेक गीतों की प्रस्तुति दी। उनके गीतों में भाव और तालमेल का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रोताओं ने उनके साथ गाकर और तालियों से उनकी प्रस्तुति को यादगार बना दिया। सभी कलाकारों ने कहा कि यह उनका पहला अवसर है पाली महोत्सव में प्रस्तुति देने का और उन्हें यहां की बोली, भाषा, संस्कृति और लोगों का व्यवहार बेहद अच्छा लगा। उन्होंने जिला प्रशासन का विशेष धन्यवाद करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन कलाकारों और दर्शकों के लिए यादगार अनुभव बनाते हैं।

शिव भक्ति के स्वर गूंजे, महोत्सव में भर गई श्रद्धा की छटामहोत्सव में हंसराज रघुवंशी ने शिव भक्ति और आराधना पर आधारित गीतों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उनके प्रस्तुति ऐसा डमरू बजाय भोलेनाथ ने..., मेरा भोला है भण्डारी, जैसे गीतों में आस्था और श्रद्धा की गहराई स्पष्ट नजर आई, उनकी मधुर आवाज और भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों के हृदय में आस्था की लहरें दौड़ा दीं। भक्तिमय भजन ने महोत्सव के वातावरण को पूरी तरह पावन और शांतिपूर्ण बना दिया, जिससे उपस्थित लोग मंत्रमुग्ध होकर शिव भक्ति में डूब गए।महोत्सव में राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के साथ ही स्थानीय कलाकारों द्वारा भी मनमोहक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। उन्होंने पारंपरिक नृत्य, लोकगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रोताओं का मन मोह लिया और छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया। स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति ने महोत्सव को क्षेत्रीय गौरव का प्रतीक बना दिया। उनके गीत, नृत्य और अभिनय ने दर्शकों को उत्साहित किया और तालियों की गड़गड़ाहट से महोत्सव का माहौल और भी जीवंत हो गया।

बजरंगी जन कल्याण समिति ने बांटा भोग-प्रसाद शिवरात्रि पर

कोरबा। महाशिवरात्रि पर नगर पालिका निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 36 डिगापुर में श्री बजरंगी जन कल्याण समिति ने भंडारे का आयोजन किया। हनुमान मंदिर परिसर में समिति की ओर से प्रसाद बांटा गया। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किए। यहां स्थित शिव मंदिर में सुबह से ही भक्तों ने पूजा-अर्चना की। आयोजन समिति के मुख्य आयोजक श्री बजरंगी जन कल्याण समिति डिगापुर के अध्यक्ष रघुवंशी सोनी, बृजलाल वरिष्ठ समाज सेवी, अखिल भारतीय सतनामी युवा कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष मनीराम जांगड़े, पुष्पेंद्र कर्ष, मुनीराम यादव, देव पटेल, रामेश्वर सूर्यवंशी, ओमप्रकाश दुबे, बीएल निराला, इंद्रजीत मरकाम, अजय कुमार, नेतराम, राजकुमार प्रजापति, चेतन दास महंत, संजय तिर्की, संदीप तिवारी ने आयोजन में सहयोग किया।

36.54 करोड़ रुपए से बनेगा गौरव पथ

कोरबा । सीएसईबी चौक से जैन चौक और वीआईपी रोड होते हुए आईटीआई चौक-कोसाबाड़ी तक गौरव पथ बनाया जाएगा। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के प्रयास से राज्य शासन ने शनिवार को 36.54 करोड़ रुपए की प्रशासकीय मंजूरी का आदेश जारी कर दिया है। अब टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। यातायात को व्यवस्थित करने नई सड़कों के साथ ही पुरानी सड़कों को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत ही गौरव पथ का निर्माण कराया जाएगा। बुधवारी बाजार से आईटीआई तक की सड़क फोरलेन बनेगी। 2.8 किमी लंबे गौरव पथ के लिए 25 करोड़ रुपए की राशि मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना और 11.54 करोड़ रुपए की राशि जिला खनिज न्यास से दी जाएगी। बिजली के लिए अंडरग्राउंड केबलिंग की योजना भी है। इसका सर्वे पहले ही कर लिया गया है। आईटीआई चौक से कोसाबाड़ी तक सड़क फोरलेन है। वीआईपी रोड पर डिवाइडर बनाया जाएगा। इससे लोगों को सुविधा होगी। इस सड़क पर 24 घंटे यातायात का दबाव रहता है। उद्योग मंत्री देवांगन ने बताया कि इस महत्वपूर्ण कार्य से शहर की यातायात व्यवस्था और बेहतर होगी। शहर के मुख्य मार्गों पर आवागमन को नई रफ्तार मिलेगी।

विपत्ति में बनती हैं दूरियां, विश्वनाथ देते हैं साथः चंदन कृष्ण

कोरबा। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर कोरबा के अमरैयापारा नवधा चौक में शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया। आचार्य चंदन कृष्ण शास्त्री ने यहां ईश्वर की कथा का महात्म्य बताया। उन्होंने कहा कि जब विपत्ति में अपने भी दूरी बना लेते हैं, तब आदिदेव विश्वनाथ अपने भक्तों की पुकार अवश्य सुनते हैं।

महिला समिति अमरैयापारा के इस आयोजन के प्रथम दिवस आचार्य चन्दनकृष्ण ने कहा कि शिव नकारात्मक शक्तियों के संहार और सात्विक शक्तियों को सशक्त करने का माध्यम है। ऐसे कई प्रसंग आदिदेव क कालखण्ड में आए। उन्होंने अपनी क्षमता से मानव कल्याण के लिए बड़ी लकीर खींची। आचार्य ने कहा कि कथाएं मनुष्यों को नई दृष्टि देती हैं। जीवन को सार्थक बनाने की शक्ति देती हैं। इसलिए श्रावकों को इसी अनुकूल आचरण करना चाहिए। कथा के शुभारंभ दिवस को भगवती पार्वती का यशगान करते हुए पचरा गीत की सुंदर प्रस्तुति की गई। इसके जरिये देवी के विभिन्न स्वरूपों का स्मरण किया गया। मातृशक्ति ने आयोजन में अपनी श्रेष्ठ सहभागिता की।

मेडिकल कॉलेज में वार्षिक खेल समारोह का शुभारंभ

कोरबा। स्व. बिसाहूदास महंत स्मृति मेडिकल कॉलेज कोरबा में वार्षिक खेल समारोह काइनेटिक्स 2026 का शनिवार को पहले दिन शनिवार को शुभारंभ हुआ। इस दौरान कॉलेज के डीन डॉ. केके सहारे, एमएस डॉ. गोपाल कंवर, असिस्टेंट मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. रविकांत जाटवर समेत अन्य अधिकारी-कर्मचारियों के साथ मेडिकल स्टूडेंट मौजूद थे। 14 फरवरी से 16 फरवरी तक आयोजित समारोह में मेडिकल स्टूडेंट आउटडोर गेम्स, इंडोर गेम्स के साथ ही एथलेटिक्स व फन गेम में भाग लेंगे।

आरपी नगर फेस-1 मंदिर में पूजा संपन्न

कोरबा। शहर के कोसाबाड़ी स्थित आरपी नगर फेस-1 में दशहरा मैदान से लगे पीपल पेड़ के नीचे स्थित शिव मंदिर में 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर विधिवत पूजा-अर्चना के साथ ही प्रसाद वितरण का आयोजन

पीएम श्री सेजेस बालको में एल्युमिनी मीट का आयोजन

कोरबा। छत्तीसगढ़ शासन शिक्षा विभाग रायपुर द्वारा निर्देशित कार्यक्रमका सफल आयोजन पीएम श्री सेजेस बालको में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सत्येंद्र दुबे तथा विशिष्ट अतिथि श्री जे.एन.दुबे, श्री प्रभात डंडसेना तथा महेंद्र थवाईत जी रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम में भूतपूर्व छात्रों को आमंत्रित किया गया था। जिन्होंने अपने अनुभव मंच के माध्यम से साझा किया।प्रत्येक पीएम श्री सेजेस स्कूलों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाने का निर्णय छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा विभाग द्वारा किया गया है ताकि भूतपूर्व छात्र के अनुभव का लाभ अध्यनरत छात्र प्राप्त कर सकें। मंचस्थ अतिथियों ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए बताया कि पीएम श्री सेजेस बालको से जिन विद्यार्थियों ने शिक्षा ग्रहण किया है वे सभी इस विद्यालय के अनुशासन, विद्यार्थियों को उपलब्ध समुचित शैक्षणिक वातावरण तथा विद्वान शिक्षकों का मार्गदर्शन को प्राप्त करके राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम को गौरवांवित कर रहे हैं। जिसका लाभ अध्यनरत छात्रों को भी प्राप्त हो रहा है तथा वे भी अपने भविष्य को करने के लिए सक्षम हो पा रहे हैं। कार्यक्रम को व्यवस्थित,अनुशासित तथा सफल बनाने के लिए विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री प्रभात कुमार भगत जी ने उपस्थित सभी अतिथियों का तथा विद्यालय के सभी शिक्षकों का आभार जताया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री घनश्याम श्रीवास जी के द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन श्रीमती निहारिका शुक्ला जी के द्वारा किया गया।

शिव जी की बारात निकली, झांकियों ने मोहा मन

कोरबा । रविवार को पूरा क्षेत्र शिव की आस्था में डूबा रहा। शिवालयों में पूजन अभिषेक करने भक्तों की लंबी कतार लगी रही। हर कोई भोलेनाथ का आशीर्वाद पाने अनुष्ठान में जुटा रहा।

व्रत रखकर तो कोई शिवालयों में जुटने वाले भक्तों की सेवा कर पुण्य के भागी बने। महाशिवरात्रि पर भगवान शिव व माता पार्वती को पूजने लोगों में पूरे दिन उत्साह रहा। देर शाम तक अभिषेक, अनुष्ठान का दौर चला। शहर में भगवान भोलेनाथ की बारात उल्लास के साथ निकाली गई, जिसमें शहरवासियों के साथ ही अन्य राज्यों से आए नृत्य नाटिका के कलाकारों ने विभिन्न देवी-देवताओं के साथ गणों का स्वरूप धारण कर शामिल हुए। मनभावन झांकियों लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र रही। प्राचीन महादेव मंदिर पाली व कनकेश्वरधाम कनकी में दूर-दूर से भक्तों ने पहुंचकर पूजा अभिषेक किया।

शिव पार्वती विवाह का दो दिवसीय आयोजन श्री श्री शिव परिवार काली मंदिर दुरपा रोड ने किया। समिति द्वारा आयोजन के 11वें वर्ष को यादगार बनाने नृत्य नाटिका के लिए काशी, मथुरा, कानपुर और पंजाब के कलाकारों की टीम को आमंत्रित किया था, जिनकी मौजूदगी में सुनालिया चौक स्थित शिव मंदिर में पूजा विधान के साथ शाम 5 बजे बारात निकाली गई। बारात में माता पार्वती, भगवान शंकर, बाल भोलेनाथ, राजा दक्ष के गणों की झांकी शामिल रही। इस बार आयोजन समिति ने भगवान भोलेनाथ व माता पार्वती को नंदी पर बिठाकर बारात निकाली।

बारात की अगुवाई छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य करमा की महिला नर्तक दल कर रही थी। धुमाल पार्टी, डीजे व आकर्षक लाइटिंग शामिल की गई थी। बारात सुनालिया शिव मंदिर से शुरू होकर पावर हाउस रोड होते हुए श्री राम मंदिर पुराना बस स्टैंड में देव पूजन के बाद विवाह स्थल मां काली मंदिर परिसर दुरपा रोड पहुंची।भंडारा और जागरण आज 16 फरवरी को काली मंदिर दुरपा रोड में सुबह 11 से शाम 4 बजे तक भोग-भंडारा होगा। शाम 7 बजे से भव्य झांकियों के साथ जागरण का कार्यक्रम होगा। जिसमें बाहर से आए कलाकारों के द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। श्री श्री शिव परिवार नगरवासियों से भोलेनाथ के बारात, विवाह, भंडारा और भव्य जागरण में शामिल होने का आह्वान किया है।

6 स्कूलों के छात्र 60 किमी दूर देंगे परीक्षा

कोरबा । केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा आयोजित 10वीं और 12वीं की बोर्ड 17 फरवरी से शुरू हो जाएगी। परीक्षा में शामिल होने वाले पाली, करतला व पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के 6 संबद्ध स्कूलों के छात्रों को इस बार भी लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी। सबसे अधिक परेशानी पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के ग्राम भांवर में संचालित डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल के छात्रों होने वाली है, क्योंकि इन छात्रों को जवाहर नवोदय विद्यालय, इसके बाद डीपीएस एनटीपीसी जमनीपाली व केवी जमनीपाली जैसे नजदीक के केन्द्र को छोड़कर डीपीएस बालको में परीक्षा देने जाना है। इसी पाली ब्लॉक के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल के परीक्षार्थियों को डीएवी गेवरा, जवाहर नवोदय विद्यालय केन्द्र को न देकर डीपीएस एनटीपीसी जमनीपाली भेजा है। इस तरह पोड़ी-उपरोड़ा के भांवर में पढ़ने वाले छात्रों को 60 किलोमीटर से अधिक तो पाली सेजस के छात्रों को भी 60 किलोमीटर का सफर तय करने मजबूर होना पड़ेगा।

करतला के बड़मार स्कूल के छात्रों को 45 किलोमीटर दूर डीएवी कोरबा में परीक्षा देने आना है। लंबी दूरी को देखते हुए छात्रों के साथ उनके परिजन भी परेशान हैं। अधिकांश छात्र तो शहर और आसपास रहने वाले अपने परिचितों के यहां 16 फरवरी की शाम तक पहुंच जाएंगे। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने जिले में 8 स्कूलों को परीक्षा केंद्र बनाए हैं। ये सभी परीक्षा केंद्र कोरबा और कटघोरा ब्लॉक में संचालित होने वाले स्कूलों में शामिल हैं। कोरबा जिले में सीबीएसई से संबद्ध निजी व सरकारी 37 स्कूल हैं।10वीं बोर्ड की परीक्षा के लिए 2174 तो 12वीं के लिए 1914 छात्रों ने पंजीयन कराया है। इसमें 10वीं के 9 तो 12वीं के 131 छात्र स्वाध्यायी परीक्षार्थी होंगे। परीक्षा सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक होगा। परीक्षार्थियों को अपने-अपने केंद्रों में सुबह 9.30 बजे तक पहुंचने कहा है। ऐसे में अगर दूरस्थ क्षेत्रों के परीक्षार्थी उसी दिन घर से आते हैं तो उन्हें दो से तीन घंटा सफर में जाया होगा। ऐसी स्थिति में वे परीक्षा के समय तनावग्रस्त हो सकते हैं। इसके कारण ऐसे छात्र एक दिन पहले पहुंच जाएंगे। सीबीएसई ने बोर्ड परीक्षा के लिए कोरबा जिला में 8 केंद्र बनाए हैं।इसमें पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय छुरी, डीएव्ही पब्लिक स्कूल गेवरा, डीएव्ही एनटीपीसी जमनीपाली शामिल हैं।

आस्था और भक्ति की तस्वीरें दिखी महाशिवरात्रि पर

महादेव की कृपा प्राप्त करने के लिए जिले के शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले का खरौद का लक्ष्मणेश्वर मंदिर, नवागढ़ का लिंगेश्वर महादेव और पीथमपुर का बाबा कलेश्वरनाथ मंदिर में तड़के सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर समितियों ने पर्व के लिए व्यापक तैयारियां की थीं, वहीं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात किया गया था।

शिवरीनारायण क्षेत्र को रामायण काल से जुड़ा माना जाता है और यह प्राचीन दंडकारण्य का हिस्सा था। शिवरीनारायण से लगभग 5 किलोमीटर दूर खरौद स्थित है, जिसे खर और दूषण की नगरी भी कहा जाता है। यहां स्थापित शिवलिंग में लाखों सूक्ष्म छिद्र हैं, जिसके कारण इसे लक्ष्मणेश्वर शिवलिंग कहा जाता है।

श्रद्धालुओं का मानना है कि इस शिवलिंग में जल स्तर न तो कम होता है और न ही बढ़ता है, इसलिए इसे अक्षय कुंड भी कहते हैं। यहां के जल को गंगा, यमुना और सरस्वती के समान पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि लंका विजय के बाद ब्राह्मण रावण वध के पाप से मुक्ति पाने के लिए लक्ष्मण जी ने यहां भगवान शिव की आराधना की थी।

महाशिवरात्रि पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

महाशिवरात्रि के अवसर पर लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिर में 'लाख चावल' चढ़ाने की परंपरा भी विशेष आस्था का केंद्र है। मान्यता है कि यहां भगवान शिव की पूजा करने से क्षय रोग से मुक्ति मिलती है।

नवागढ़ का लिंगेश्वर महादेव मंदिर, स्वयंभू शिवलिंग की अनोखी मान्यता

नवागढ़ स्थित लिंगेश्वर महादेव मंदिर श्रद्धालुओं की विशेष आस्था का केंद्र है। यहां विराजमान शिवलिंग स्वयंभू माना जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस शिवलिंग की ऊंचाई लगातार बढ़ रही है और इसकी मोटाई भी अनूठी है।

शिवलिंग की वास्तविक गहराई जानने के लिए शोध किए गए, लेकिन अब तक इसका सही अनुमान नहीं लग पाया है। श्रद्धालु यहां वंश वृद्धि और मनोकामना पूर्ति के लिए पूजा-अर्चना करते हैं।

हसदेव तट पर पीथमपुर का कलेश्वरनाथ मंदिर, उदर रोगों से मुक्ति की मान्यता

हसदेव नदी के तट पर बसे पीथमपुर में कलेश्वरनाथ बाबा शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार, चांपा के एक जमींदार पेट संबंधी रोग से पीड़ित थे। इलाज से लाभ नहीं मिलने पर उन्होंने भगवान शिव का स्मरण किया। स्वप्न में उन्हें पीथमपुर में शिवलिंग होने का संकेत मिला। खोज के

दौरान वहां शिवलिंग मिला, जिसके बाद विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा कर मंदिर की स्थापना की गई। पूजा-अर्चना के बाद जमींदार का रोग ठीक हो गया। तभी से यह मंदिर उदर रोगों से मुक्ति के लिए प्रसिद्ध माना जाता है।

रंग पंचमी पर निकलती है भव्य शिव बारात

महाशिवरात्रि के साथ-साथ रंग पंचमी के अवसर पर यहां भव्य शिव बारात निकाली जाती है। इस दौरान पंचमुखी शिव की सवारी चांदी की पालकी में निकलती है। शोभायात्रा में वैष्णव और नागा साधु भी शामिल होते हैं। इसे देखने के लिए दूर-दराज से श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचते हैं।

मेडिकल कॉलेज निर्माण पर विवाद, रास्ता बंद किया

जांजगीर। कुटरा गांव में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज निर्माण को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान किसानों के खेतों तक पहुंचने वाला पारंपरिक मार्ग बंद किया जा रहा है, जिससे खेती-किसानी और आजीविका पर असर पड़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने कहा कि वे विकास कार्यों के विरोध में नहीं हैं। जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने में भी उन्होंने सहयोग किया था। लेकिन अब बची हुई निजी जमीन तक पहुंच का रास्ता रोका जाना उनके लिए बड़ी समस्या बन गया है।

डॉ. रजत का चयन एम. डी. मेडिसिन में

जांजगीर। पढ़ाई के क्षेत्र में शुरू से मेघावी छात्र रहे डॉ.रजत कुमार साहू का चयन एम. डी. मेडिसिन सर्वोदय हॉस्पिटल नोएडा दिल्ली के लिए हुआ है। वर्तमान में ये अपनी सेवाएं शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ में दे रहे थे। चिकित्सा क्षेत्र में कठिन मेहनत करके इन्होंने यह मुकाम हासिल की है।ये अपनी सफलता का श्रेय अपने

माता पिता गुरुजन को देते हैं इनके लिए सबसे बड़ी बात यही की इन्होंने प्रथम प्रयास पर ही शासकीय मेडिकल कॉलेज में एम. बी. बी. एस. के लिए चयनित हुए थे।वहीं प्रथम प्रयास में एम. डी. मेडिसिन के लिए चयनित हुए है।जो नगर व साहू समाज के लिए गौरव की बात है।ये शिक्षक दंपत्ति श्रीमती चमेली साहू व डॉ.बोधीराम साहू के सुपुत्र है।यह उपलब्धि हासिल कर इन्होंने अपने स्मृति शेष दादा रामसाय साहू के सपनों को साकार किया है।इनकी उपलब्धि पर प्रसंशको ने प्रसन्नता जाहिर की है।

जिले में किसान न्याय जनसभा का शंखनाद

रिंगनी-खरौद। आम आदमी पार्टी जिला जांजगीर-चांपा ने कुकदा (पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र) में किसान न्याय जनसभा आयोजित की। कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने आसपास के गांवों से आए किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। मिश्रा ने कहा, धान खरीदी और रकबा समर्पण के नाम पर किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर किया जा रहा है। प्रदेश गठन के बाद इस वर्ष किसानों को सबसे अधिक परेशान किया गया है। उन्होंने आम आदमी पार्टी के माध्यम से पूरे प्रदेश में किसानों को संगठित कर उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ने का संकल्प जताया। प्रदेश प्रवक्ता एवं उपाध्यक्ष प्रियंका शुक्ला ने केंद्र सरकार की अमेरिका के साथ नई ट्रेड डील पर आपत्ति जताते हुए इसे किसान-विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका पर 18% टैरिफ है, जबकि भारत ने वहां के कृषि उत्पादों पर 0% टैरिफ लगाया है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान होगा।

वाटर एटीएम पर लाखों खर्च के बाद भी उपयोगिता शून्य

जांजगीर। शहर में गर्मी ने दस्तक दे दी है। पारा 32 डिग्री के करीब पहुंच रहा है, लेकिन शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए लगाए गए वाटर एटीएम फिर से बंद पड़े हैं। जिला मुख्यालय जांजगीर सहित चांपा, बाराद्वार और सक्ती में वर्षों पहले लाखों रुपए की लागत से लगाए गए आरओ वाटर एटीएम अब कबाड़ में तब्दील हो चुके हैं। गर्मी बढ़ने के बावजूद जिम्मेदार विभाग इन्हें चालू कराने की ओर ध्यान नहीं दे रहे, जिससे राहगीरों और आम नागरिकों को साफ पानी के लिए भटकना पड़ रहा है।

वाटर एटीएम की नियमित सर्विसिंग और फिल्टर बदलने की जिम्मेदारी संबंधित एजेंसी की थी। लेकिन मेंटेनेंस के अभाव में मशीनें बार-बार खराब होती रहीं। जिम्मेदार अधिकारियों ने समय रहते निगरानी नहीं की, जिससे पूरी योजना पटरी से उतर गई। अब हाल यह है कि लोग मशीनों के पास जाना तक छोड़ चुके हैं। शहरवासियों का कहना है कि मेंटनेंस नहीं कराने से गर्मी में वाटर एटीएम सालों से बंद रहते हैं। शिकायतों के बावजूद सुधार नहीं होता।

यदि समय रहते मरम्मत और रखरखाव की ठोस व्यवस्था नहीं की गई तो लाखों की लागत से बनी यह योजना पूरी तरह निष्प्रभावी हो जाएगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने वर्ष 2017-18 में अविभाजित जांजगीर-चांपा जिले के प्रमुख स्थानों पर आरओ वाटर मशीनें लगाने का निर्णय लिया था। राइट वाटर सॉल्यूशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को करीब 21 लाख रुपए की लागत से मशीनें स्थापित करने का ठेका दिया गया। योजना के तहत एक या पांच रुपये का सिक्का डालने पर शुद्ध व ठंडा पेयजल उपलब्ध कराया जाना था। शुरुआत में करीब एक साल तक मशीनें ठीक-ठाक चलीं, लेकिन कोरोना काल में बंद हुईं तो फिर दोबारा पटरी पर नहीं लौट सकीं। सक्ती नगर में कचहरी, अस्पताल और गौरव पथ के पास तीन वाटर एटीएम लगाए गए थे। तीनों मशीनें बंद पड़ी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब मशीनें चालू थीं तो मात्र एक रुपए में पानी मिल जाता था, जिससे आमजन को बड़ी राहत थी। अब भीषण गर्मी में बाहर से आने वाले लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। हालांकि कुछ सामाजिक संस्थाओं ने मिट्टी के घड़ों और प्याऊ की व्यवस्था की है, लेकिन आरओ का शुद्ध पानी उपलब्ध नहीं है।

लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना करने लगी कतार

रिंगनी/खरौद। नगर पंचायत खरौद में महाशिवरात्रि पर श्रद्धा और भक्ति का अनोखा माहौल रहा। लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लग गई। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंजता रहा। दिनभर लंबी कतारें लगी रहीं और भक्त घंटों खड़े होकर भगवान शिव के दर्शन करते रहे।

मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक और अभिषेक हुए। नगर के विभिन्न मोहल्लों, चौक-चौराहों पर खीर-पूड़ी और प्रसाद बांटा गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर परिसर में टेंट लगाए गए, जिससे धूप से राहत मिली। सुबह से रामायण कीर्तन भी हुआ, जिसने माहौल को भक्तिमय बना दिया। कतार में खड़े श्रद्धालुओं के लिए जूस वितरण की व्यवस्था भी की गई। यह पूरी व्यवस्था नगर पंचायत अध्यक्ष गोविन्द यादव, उपाध्यक्ष महेश्वर यादव और पार्षदों के सहयोग से की गई, जिसे श्रद्धालुओं ने सराहा। भीड़ को नियंत्रित करने और दर्शन को व्यवस्थित

कराने में शिवरीनारायण पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण रही। पुलिस सुबह से शाम तक परिसर में गश्त करती रही और श्रद्धालुओं को लाइन में लगवाकर प्रवेश दिलाती रही। महाशिवरात्रि पर आसपास के गांवों समेत दूर-दूर के क्षेत्रों से भी भक्त पहुंचे।

कई श्रद्धालु लोट मारते हुए मंदिर आए और भगवान शिव के चरणों में शीश नवाकर सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। बाजारों में पूजा सामग्री, फूल और बेलपत्र की दुकानों पर भी अच्छी रौनक रही। पूरे दिन खरौद भक्ति और उत्साह के रंग में डूबा रहा और देर रात तक मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही जारी रही।

नाचने पर विवाद को लेकर चाकूबाजी के मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जिले में बारात में नाचने को लेकर हुए विवाद में चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 20 वर्षीय सोमवीर उर्फ सुमबीर यादव और एक नाबालिग शामिल है। यह कार्रवाई सारागांव थाना पुलिस ने की है।

घटना 10 फरवरी की शाम ग्राम अफरीद में हुई थी। पीड़ित गौरव बरेठ अपने दोस्तों के साथ बारात में शामिल होने आया था। इसी दौरान ग्राम बोरसी से आए अन्य बारातियों से नाचने को लेकर विवाद हो गया।

विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने गौरव बरेठ और उसके साथी सागर बरेठ पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल बिलासपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घायल का बयान दर्ज

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय के निर्देश पर एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और वैज्ञानिक तरीके से जांच की। घायल गौरव बरेठ का बिलासपुर के अस्पताल में कार्यपालिक दंडाधिकारी के सामने बयान भी दर्ज किया गया था।

इस मामले में पुलिस पहले ही अमर यादव और अमीर यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज चुकी है। हाल ही में फरार चल रहे सोमवीर उर्फ सुमबीर यादव और विधि से संघर्षरत बालक को दबिश देकर पकड़ा गया।

पूछताछ के दौरान दोनों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1), 191(2), 191(3), 296 और 351(3) के तहत कार्रवाई की गई है।

एक सप्ताह में दो लोगों ने हादसे में खोयी अपनी जिंदगी, अब स्पीड ब्रेकर की मांग

जांजगीर-चांपा। शहर में सड़क हादसों का सिलसिला जारी है। बीते सात दिनों में अलग अलग जगहों में हुए दुर्घटनाओं में दो लोगों की जान चली गई है, जबकि छह अन्य लोग घायल हुए हैं। ये सभी घटनाएं चांपा थाना क्षेत्र में दर्ज की गई हैं।

पहली घटना 11 जनवरी की रात गौरव पथ पर हुई। एक तेज रफ्तार तूफान वाहन ने स्कूटी और लूना को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में 21 वर्षीय आकाश केसरवानी की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई, जबकि दो अन्य युवक घायल हुए। पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे मुचलके पर रिहा कर दिया है। दूसरी दुर्घटना 14 फरवरी को महाराणा प्रताप बस स्टैंड के समीप हुई। महुदा गांव से शिवरीनारायण मेला जा रहे पिता-पुत्र की मोटरसाइकिल डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े एक पिकअप वाहन से जा भिड़ी। इस हादसे में 60 वर्षीय सरजू भैना की सिर में गंभीर चोट लगने से मृत्यु हो गई। उनके पुत्र आशीष भैना घायल हुए, जिन्हें उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। तीसरी घटना 15 फरवरी को एक बार फिर महाराणा प्रताप बस स्टैंड के पास दर्ज की गई। यहां दो तेज रफ्तार मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर में चार युवक घायल हो गए। एक मोटरसाइकिल पर तीन और दूसरी पर एक युवक सवार था। घायलों में 17 वर्षीय अभय साहू, 19 वर्षीय राज साहू और 17 वर्षीय श्लोक यादव शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज बीडीएम अस्पताल में चल रहा है। इन लगातार हो रही दुर्घटनाओं को लेकर स्थानीय निवासियों में आक्रोश है। नागरिकों ने महाराणा प्रताप बस स्टैंड के पास स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की है, ताकि वाहनों की गति को नियंत्रित किया जा सके और सड़क हादसों में कमी लाई जा सके।

श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर शिवलिंग पर जल चढ़ाया

अकलतरा। ग्राम परसाही नाला स्थित क्षेत्र के प्रसिद्ध पारसनाथ धाम में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी। सुबह 4 बजे से ही मंदिर परिसर के बाहर लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। दूर-दराज के गांवों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने पहले मंदिर प्रांगण में बहने वाले परसाही नाले में स्नान किया, फिर नाले से जल भरकर शिवलिंग पर अभिषेक किया। सुबह से देर शाम तक श्रद्धालु लाइन में लगकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते रहे। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। ग्राम परसाही नाला की सरपंच देवमती नेताम और महेंद्र पाल नेताम ने बताया कि पारसनाथ धाम का प्राचीन समय से धार्मिक महत्व है। महाशिवरात्रि पर क्षेत्रभर से हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचकर परसाही नाले में स्नान कर स्वयं को पवित्र करते हैं और विधि-विधान से पूजा करते हैं।

भारत पाकिस्तान के मैच पर सक्रिय दो सटोरिये पकड़ाए

जांजगीर। जिले में वर्ल्ड कप क्रिकेट मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टा खिलाने और उसका प्रचार करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने चौकी नैला क्षेत्र में छापेमारी कर गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई साइबर पुलिस टीम और चौकी नैला की संयुक्त मुहिम के तहत की गई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुमीत सिंह ठाकुर (25) निवासी नैला दर्रीपारा और प्रतीक मिश्रा (30) निवासी तिफरा काली मंदिर के पीछे, वार्ड 12 बिलासपुर के रूप में हुई है। आरोपियों के पास से 23 हजार रुपए नगद, 4 मोबाइल और 2 एटीएम कार्ड बरामद किए गए। जांच में जब्त मोबाइल फोन से दो ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा आईडी मिलीं, जिनके माध्यम से लाखों रुपए का लेनदेन किया गया था। पुलिस के अनुसार आरोपी वॉट्सएप ग्रुप बनाकर लोगों को सट्टा खेलने के लिए प्रेरित करते थे और ऑनलाइन सट्टा आईडी बेचकर कमाई करते थे।

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन छापेमारी में मिले साक्ष्यों से पूरी गतिविधि उजागर हो गई।जिले में जुआ और सट्टा के खिलाफ लगातार कार्रवाई चल रही है। इस कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप का मार्गदर्शन रहा। पुलिस ने

बताया कि आरोपी क्रिकेट मैच सहित विभिन्न खेलों में ऑनलाइन सट्टा खिलाते थे और लोगों से ऑनलाइन रकम वसूलते थे। उनकी गतिविधियों पर टीम लंबे समय से नजर रखे हुए थी। दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 7 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में किसी भी प्रकार के सट्टा संचालन पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आदि देव की बारात में रहा उत्साह का माहौल

बाराद्वार। मारवाड़ी धर्मशाला के पास स्थित बमभोला मंदिर में महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाई गई। मंदिर में महारुद्राभिषेक के साथ विशेष पूजा-अर्चना प्रारंभ हुई। शाम 5 बजे बस स्टैंड स्थित शिवशंकर मंदिर से भगवान शंकर की आकर्षक झांकी रथ में सजाकर गाजे-बाजे एवं धुमाल बैंड के साथ भव्य बारात निकाली गई, जो पूरे नगर का भ्रमण करते हुए मारवाड़ी धर्मशाला के पास स्थित बमभोला मंदिर पहुंची। शिव बारात में शंकर भगवान, भूत-प्रेत, शिवजी की सवारी, शेर, भालू, नंदी तथा विभिन्न शिवगणों की वेशभूषा में सजे कलाकार शामिल हुए।

बहन से मोबाईल पर बातचीत करते पकड़े जाने पर नाबालिक की कर दी हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जिले के ग्राम धरदेई में युवक राहुल चौहान का शव तालाब के अंदर मिला। शरीर पर चोट के निशान थे, जिससे पता चला कि धारदार हथियार से कई बार हमला कर उसकी हत्या की गई थी। जांच में पता चला कि यह हत्या नाबालिग बालक और उसके 6-7 दोस्तों ने मिलकर की थी।

इस घटना की वजह यह थी कि राहुल चौहान उसकी बहन से फोन पर बात करता था, जो आरोपी को नागवार लगी।

पुलिस ने इस मामले में अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। वहीं, चार नाबालिगों को बाल सुधार गृह भेजा गया है। बाकी आरोपी अभी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है। यह मामला शिवरीनारायण थाना क्षेत्र का है।एएसपी उमेश कश्यप ने बताया कि 11 फरवरी को पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम धरदेई के पुरेना तालाब में एक अज्ञात युवक का शव मिला है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पहचान कराई। शव की पहचान सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के भटगांव थाना क्षेत्र के ग्राम दर्रा निवासी राहुल चौहान के रूप में हुई।

मौसी के घर से लौटते समय हुई घटना

परिजनों के अनुसार, राहुल अपने एक दोस्त के साथ शिवरीनारायण मेले में घूमने जाने की बात कहकर घर से निकला था। पुलिस ने राहुल के दोस्त से पूछताछ की। उसने बताया कि मेला घूमने के बाद वे शाम करीब 5-6 बजे राहुल की मौसी के घर गए थे और लगभग 6 बजे घर से निकले। पुलिस को पता चला कि नाबालिग बालक को यह पता था कि राहुल उसकी बहन से फोन पर बात करता है। इसे लेकर वह नाराज था। जब राहुल अपने दोस्त के साथ घर से निकला, तो नाबालिग और उसके 6-7 दोस्त उसे घेरकर मारपीट करने लगे। राहुल भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया और धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। शव को छुपाने के लिए पुरेना तालाब में फेंक दिया गया।राहुल चौहान के शरीर पर लगी चोटों से हत्या का संकेत मिला। पुलिस ने मृतक के दोस्त की जानकारी के आधार पर संदिग्धों की तलाश शुरू की। इस दौरान एक नाबालिग पकड़ा गया। पूछताछ में उसने बताया कि उसने अपने 6-7 दोस्तों के साथ मिलकर मारपीट कर राहुल की हत्या की और शव को छुपाने के लिए पुरेना तालाब में फेंक दिया।शिवरीनारायण पुलिस ने अब तक 2 आरोपियों कोमल कर्ष (23 वर्ष) और राजवीर अनंत (19 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। वहीं, घटना में शामिल 4 नाबालिगों को बाल सुधार गृह भेजा गया है। बाकी आरोपी अभी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है।

मकान में युवक फंदे से लटका मिला, जांच शुरू

चांपा। नगर के हटवारा चौक स्थित सोनारिन घाट के पास एक मकान में रविवार सुबह एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान राहुल केवट, पिता शंभु केवट, उम्र 25 वर्ष, के रूप में हुई है।

अनमोल वचन......

हर दिन एक नई शुरुआत होती है, इसे खास बनाएं।

ताकाइची का वादा

प्रधानमंत्री साने ताकाइची इसे पसंद करती हैं कि उनकी तुलना ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर से की जाए। जिस तरह थैचर ने ब्रिटेन की दिशा बदल दी थी, कुछ वैसा ही करने का वादा ताकाइची ने किया है। लंबे समय बाद जापान में किसी नेता को दो तिहाई बहुमत मिला है। सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को ऐसी कामयाबी चार महीने पहले प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची ने दिलाई। दरअसल, जितनी बड़ी जीत एलडीपी को इस बार मिली, उतना गुजरे 70 वर्षों में कभी नहीं हुआ। जापान में 1955 में नया संविधान लागू होने के बाद से एलडीपी 66 वर्ष सत्ता में रही है। सिर्फ दो बार ऐसे मौके आए, जब वह दो-दो वर्ष के लिए सत्ता से बाहर हुई। मगर पिछले डेढ़ दशक में पार्टी की लोकप्रियता लगातार गिरी थी। आर्थिक गतिरुद्धता, बढ़ती सामाजिक समस्याओं, और धुर दक्षिणपंथ के उदय के कारण हालिया चुनावों में उसे पूर्ण बहुमत से वंचित रहना पड़ा।

इसीलिए रविवार को हुए चुनाव में उसे मिली बड़ी जीत ने दुनिया का ध्यान खींचा है। इससे ये बात पुष्ट हुई है कि उदारवाद और राष्ट्रवाद का उग्र एजेंडा पेश कर जापान के मतदाताओं में उत्साह पैदा करने में ताकाइची सफल रहीं। ताकाइची इसे पसंद करती हैं कि उनकी तुलना ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर से की जाए। जिस तरह थैचर ने ब्रिटेन की दिशा बदल दी थी, कुछ वैसा ही करने का वादा ताकाइची ने किया है। प्रधानमंत्री बनते ही ताइवान के सवाल पर उग्र बयान देकर चीन से टकराव बढ़ाते हुए उन्होंने देश में राष्ट्रवादी भावनाएं फैलाईं। इसे आगे बढ़ाते हुए उन्होंने सैन्य खर्च बढ़ाने का वादा किया। साथ ही जापान को परमाणु हथियार संपन्न देश बनाने के संकेत भी उन्होंने दिए।

उधर आर्थिक मोर्चे पर हर तरह के टैक्स में कटौती का वादा किया। इसमें आय कर से लेकर उपभोग कर तक शामिल हैं। कहा कि यह सब बजट घाटा बढ़ाते हुए किया जाएगा। जहां लोग अर्थव्यवस्था की घटती गई प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, घटती उत्पादकता, गिरते जीवन स्तर, और बढ़ती गैर-बराबरी से वर्षों से परेशान हों, वहां इस तरह के वादों ने जादुई असर किया, तो उसे समझा जा सकता है। वैसे विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि रक्षा क्षेत्र को छोड़ दें, तो बाकी वादों को पूरा करना आसान नहीं होगा। लेकिन ये बाद की बात है। फिलहाल, तो ताकाइची की लहर चली है।

राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से साझेदारी करने पर विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है।

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके व्यापार में रोज की अपेक्षा ज्यादा लाभ होगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगा। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरते। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोडा अधिक मेहनत करने की जरुरत है। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा।

मिथुन राशिः आज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे वह पूरे मन से करेंगे, इससे नया अनुभव आपको मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा और आपका सम्मान बढ़ेगा। आप किसी मित्र से सहयोग लेंगे। आज आपको बात करते समय अपनी भाषा पर नियंत्रण रखने की जरूरत है, अन्यथा आपका विरोध हो सकता है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस मे सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जूनियर आपसे काम सिखाना चाहेंगे। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलोगी। आज आप जो भी काम करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढेगी। बडे-बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, लोग आपकी वाह-वाही करेंगें। आज आपको वाहन चलाते समय खास सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नये तरीकों पर विचार करेंगे। व्यवसाय कर रहे लोग व्यवसाय को आगे बढ़ाने में कामयाब होंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

तुला राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। नौकरी कर रहे लोगों को आज दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना होगा, नहीं तो सीनियर से डांट भी खानी पड़ सकती है। लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे तो एक-दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बेवजह की उलझन से दूर होकर आप किसी मंदिर या धार्मिक स्थल पर अपना समय बिताएंगे। यात्रा पर भी जाने के योग बन रहे हैं, यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आज आप अपने खाली समय में अपनी अच्छाइयों और कमियों के बारे में विचार करेंगे। मित्रों के साथ कुछ समय व्यतीत करेंगे, जिससे आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी।

धनु राशिः आज का दिन खुशियों का नया रास्ता दिखायेगा। किसी पार्क में परिवार वालों के साथ घूमने का प्लान कैंसिल होने की सम्भावना है। पारिवारिक सुख सुविधा का लाभ मिलेगा। आप किसी राजनेता से सम्पर्क करेंगे। फुल कॉन्फिडेंस से अपने सभी रुके कामों कों गति देंगे, अपनी योजना में जोड़ने के लिए आपको अन्य सहयोगियों की जरूरत पड़ सकती है।

मकर राशिः आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहेगा, मन खुश रहेगा। आपको सब्र रखना होगा। ऑटोमोबाइल के व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। आप अपने दोस्तों या सहयोगियों के साथ किसी टूर पर जायेंगे। प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े लोगो से आप लाभ की प्राप्ति करेंगे। नया बिजनेस स्टार्ट करेंगे। आपके सगे सम्बन्धियों से मेल-जोल बढ़ेगा। किसी नए काम को शुरु करने के लिए आज आप उत्साहित रहेंगे।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति की मदद करेंगे जिससे पूरा दिन आपके अंदर पाजिटीविटी बनी रहेगी। आज आप जिस भी काम की शुरुआत करेंगे वह समय से पूरा हो जायेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप माता को कुछ गिफ्ट दे सकते है आपकी माता को खुशी होगी। आज आपका रुका हुआ काम पूरा होगा। आज आप बोलने के बजाए सुनने पर ज्यादा ध्यान दें। इससे आपको जरूरी बातें पता चल सकती हैं। कुछ नए लोग आपकी बात से प्रभावित होकर आपसे बातचीत करना चाहेंगे। इस राशि के जो लोग कवि है आज उनकी किसी कविता की तारीफ हो सकती है। जिससे मन खुशनुमा रहेगा। साथ ही आज आपका खर्चा बढ़ेगा।

विश्व-रंगः फ्रिट्ज हाबर : रासायनिक युद्ध का जनक वैज्ञानिक

//डॉ. सुधीर सक्सेना //

वह कुलीन यहूदी परिवार में जन्मा था। पिता नगर के धनाढ्य और गणमान्य व्यक्ति थे। वह कुल चार भाई-बहन थे। वह कुशाग्र बुद्धि था और उसमें बचपन से ही कुछ नया और अलहदा कर गुजरने की तड़प थी। पिता चाहते थे कि बेटा उनके नक्शे-पा चले, लेकिन पूत के पाँव पालने में देख उन्होंने उसकी इच्छापूर्ति में बाधा नहीं डाली। पूरा नाम फ्रिट्ज जैकब हाबर। जन्म हुआ 9 दिसंबर, सन 1868 को उत्तरी जर्मन परिसंघ के प्रूशिया साम्राज्य के सिलेसिया प्रांत में ब्रेस्लाऊ में व्यापारिक घराने में। हैबर-परिवार ब्रेस्लाऊ के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित परिवारों में एक था। पिता सिग्फ्राइड और माँ पौला की दो ही संतानें थीं : पुत्र फ्रिट्ज और पुत्री एल्सी। पुत्र फ्रिट्ज बड़ा होकर सफल और विख्यात वैज्ञानिक बना। अपार शोहरत। अपार धन। वह गजब का कीमियागर था। फलतः उसे सन 1918 में रसायन-विज्ञान का नोबेल पुरस्कार मिला।

हैबर-बॉश प्रक्रिया के लिए इस पुरस्कार मिला। उसे हैबर-बॉश प्रक्रिया के लिए इस पुरस्कार से नवाजा गया। यह प्रक्रिया रसायन-उद्योग में नाइट्रोजन और हाइड्रोजन गैस से अमोनिया के संश्लेषण में प्रयुक्त विधि है। मार्के की बात यह है कि हैबर ने अपने आविष्कार से फसलों और युद्ध का नक्शा बदल दिया। एक ओर जहां उसकी ईजाद से अन्न उत्पादन में कई गुना इजाफा हुआ, वहीं उसका आविष्कार युद्ध के मोर्चे पर फतह और अनगिन मौतों का बायस बना। उसकी वैज्ञानिक विरासत खेलों में विपुल उत्पादन से करोड़ों लोगों को भोजन मुहैया करने तक ही नहीं फैली है, बल्कि वह लाखों निर्दोषों और निरपराधों की गैस चैंबरों में मौत के जघन्य पाप तक फैली हुई है।

फ्रिटज हाबर की जीवन गाथा में नेकी और बदी की चरम इच्छाओं के उजले और स्याह धागे आपस में भी संश्लिष्ट है। उसका वैवाहिक जीवन अशांति और अनहोनी से बिंधा रहा और उसका अंत एकाकीपन में वतन से दूर हुआ। यही नहीं, उसने लानतें झेलीं और तिरस्कार भी। वह हिटलर का प्रशंसक और भक्त था तथा स्वयं को गर्व से राष्ट्रवादी जर्मन कहता था। उसने यहूदी धर्म का परित्याग कर बपतिस्मा भी ले लिया था, लेकिन नाजियों ने उसे अपना नहीं माना। विवश होकर उसे जर्मनी छोड़ना पड़ा। यही नहीं, उसने घातक रसायनों के जरिये मौत का जो खतरनाक खेल ईजाद किया था, उसकी नृशंस और वीभत्स परिणति भयावह होलोकास्ट में हुई। नाजियों ने गैस चैंबरों के जरिये लाखों यहूदियों को निर्दयतापूर्वक मौत के घाट उतार दिया।

विश्व इतिहास में चुनिंदा वैज्ञानिकों में शुमार फ्रिट्ज हाबर को केमिकल वारफेयर (रासायनिक युद्ध कर्म) के जनक के तौर पर याद किया जाता है। फ्रिट्ज के पिता का रंग-रोगन, दवा और रंगाई का कारखाना था और वह चाहते थे कि बेटा उनका कारोबार संभाले, लेकिन बेटा कीमियागर बनने को आतुर था। परिवार कर्मकांडी न होकर भी यहूदी था, लिहाजा जोहानियम स्कूल में प्राथमिक शिक्षा के बाद वह जिस सेंट एलिजाबेथ स्कूल में भर्ती हुआ, वहां प्रोटेस्टैंटों और यहूदियों के लिए पृथक कक्षाओं की व्यवस्था थी। परिवार व अन्य यहूदियों के विपरीत फ्रिट्ज स्वयं को सगर्व जर्मन दर्शाता था। वहां से निकलने पर पिता ने उसकी इच्छानुरूप उसे रसायन विज्ञान पढ़ने के लिए बर्लिन स्थित फ्रैड्रिख विल्हेम यूनिवर्सिटी में भेज दिया। पहले सेमिस्टर की हताशा उसे सन 1887 की ग्रीष्म में हाइडेलबर्ग विश्वविद्यालय ले गयी, जहां उसे राबर्ट बुन्सेन ने पढ़ाया। वहां से वह बर्लिन लौटकर टेक्नीशे होष्शूले शार्लोटेन्बर्ग में भर्ती हुआ। सन 1889 में सैन्य नोंदणी के बाद वह छठवीं फील्ट आर्टिलरी रेजीमेंट में एक वर्ष की वालंटियर सेवा में भर्ती हो गया। एक साल बाद वह शार्लोटेन्बर्ग लौटा और कार्ल लीबरमान का शिष्यत्व ग्रहण कर लिया। कार्ल के कार्बनिक रसायन के लेक्चरों के साथ-साथ वह रंगों की रसायन प्रौद्योगिकी पर आटो बिट्ट के लेक्चर भी अटेन्ड करता था। लीबरमैन द्वारा प्रदत्त विषय पर गहन शोध के फलस्वरूप उसे मई, 1891 में यूनिवर्सिटी ऑफ बर्लिन से डॉक्टरेट की उपाधि मिल गयी।

इस तरह रसायनज्ञ होकर फ्रिट्ज घर लौट आया, किंतु घर में सब सुकर न था। पिता और उनके रिश्तों में खटास थी और इसकी खासी वजह थी। हुआ यह कि फ्रिट्ज के जन्म पर पौला को प्रसव में परेशानी हुई। फलतः तीन हफ्ते बाद उसने प्राण त्याग दिये। मातृहीन फ्रिट्ज को चाचियों ने पाला। फ्रिट्ज जब छह वर्ष का हुआ, उसके व्यथित पिता ने दूसरी शादी कर ली। हेडविग हैम्बरर्गर से उसे तीन बेटियां हुईं। फ्रिट्ज का जन्म और पत्नी की मौत का संदर्भ सिग्फ्राइड कभी भुला नहीं सके। फ्रिट्ज ने विमाता और बहनों से किसी तरह पटरी बिठाये रखी। रिश्ते कैसे भी रहे हों, उसे पिता के रसूख का खूब लाभ मिला। उनकी बदौलत उसे बड़े कारखानों और आसवनी में काम का मौका मिला। पिता की मनुहार कर वह एक सेमेस्टर के लिए ज्यूरिख के पॉलीटेक्नीक कॉलेज में जार्ज लुंग के साथ अध्ययन हेतु भर्ती हो गया। वहां से लौटकर पिता के काम में हाथ बँटाने वह ब्रेस्लाऊ लौटा, लेकिन पिता-पुत्र के रिश्तों में बल पड़ते गये। पिता को पुत्र का प्राकृतिक के बजाय कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल का सुझाव फला, किंतु हैजे की महामारी पर थोक में कैल्शियम हाइपोक्लोराइट खरीदने से हुये नुकसान से पुत्र को पिता ने घर से रूख्सत कर दिया।

पिता से विच्छेद के बाद उसकी नयी पारी शुरू हुई। वह स्वयं को यहूदी कम, जर्मन अधिक मानता था। सन 1892-94 के दरम्यान वह जेना विश्वविद्यालय में लुडविग नॉर का सहायक रहा। इसी दरम्यान वह यहूदी से ईसाइयत के लूथर संप्रदाय में दीक्षित हुआ। मकसद था बेहतर करियर। लुडविग ने उसकी सिफारिश काल्सरूहे विश्वविद्यालय में कार्ल एंग्लर से की और कार्ल ने हैंस बुन्हे से, जिसने उसे अपना सहायक बना लिया। वहीं उसने हाइड्रोकार्बनों की पुनर्वास थीसिस प्रस्तुत की। इस पर उसे अध्ययन का दायित्व मिला और संस्थान ने रंगरेजी की प्रौद्योगिकी के अध्ययन हेतु उसे बाहर भेजा। विद्युत रासायनिकी के उच्च अध्ययन और शोध के लिये वह एक बार फिर बाहर गया। अध्ययन और अनुसंधान तथा ख्याति का यह क्रम चलता रहा। वह असोशियेट प्रोफेसर बना और ग्रांड ड्यूक फ्रेडरिख वॉन बाडेन ने उसे एक्स्ट्राऑर्डिनेरियस से विभूषित किया। जल्द ही वह कार्ल्सरूहे में भौतिक रसायन का प्रोफेसर बन गया। सन 1894 से सन 1911 के दरम्यान लगातार प्रयोगों के बाद उसने उच्च दाब और ताप से अमोनिया के उत्प्रेरकीय-निर्माण में सफलता अर्जित की, जिससे सन 1894 में प्रस्तुत ली शतेलिये के सिद्धांत पुष्टि हुई। अमोनिया के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए उसने बास्फ के कार्ल बाश से भागीदारी की। नतीजा सार्थक रहा। औद्योगिक रसायन में हाबर-बॉश प्रक्रिया मील का पत्थर मानी गई। अब तक कृषि उत्पादन प्राकृतिक अमोनिया पर निर्भर था, कृत्रिम अमोनिया के उत्पादन ने उर्वरक-परिदृश्य को बदल दिया। अन्न उत्पादन में क्रांति हुई। अनुमान है कि इससे विश्व की आधी आबादी को भूख से निजात मिली। आज संश्लेषित नत्रजन-उर्वरकों का उत्पादन 100 मिलियन टन से ज्यादा है। विश्व की आधी से अधिक आबादी के लिए अन्न उत्पादन इन्हीं उर्वरकों पर अवलंबित है और यह हाबर-बॉश प्रक्रिया से संभव हो सका है।

यह है हाबर के व्यक्तित्व का सकारात्मक पहलू, लेकिन उसके व्यक्तित्व का एक और विलोम पहलू भी है। इसी की बदौलत उसे रासायनिक युद्धकर्म का जनक कहा जाता है। फ्रिटज को प्रथम विश्वयुद्ध में क्लोरीन और जहरीला गैसों को आयुध के तौर पर इस्तेमाल का श्रेय जाता है। उसने पहले पहल वायु से गुरू (भारी) क्लोरीन का लाम पर उपयोग की पहल की। यप्रेस की दूसरी जंग में फ्रेंच और अल्जीरियाई सैनिकों ने खंदकों का अलंध्य मोर्चा बांध रखा था। जर्मन फौजों ने क्लोरीन के गोले छोड़कर दुश्मन को मात दे दी। भारी क्लोरीन से खंदकें ढंक गयी और फौजियों का दम घुट गया। फ्रिट्ज के इस हथियार का दुश्मन के पास कोई जवाब नहीं था। यह मत सोचिये कि विश्वयुद्ध में यह वैज्ञानिक प्रयोगशाला तक सीमित रहा। प्रथम विश्वयुद्ध छिड़ने पर उत्साहपूरित फ्रिट्ज अक्टूबर, 1914 में उस मैनीफेस्टो पर दस्तखत करने वाले 92 जर्मन बुद्धिजीवियों में एक था, जिसने स्कूलों और कॉलेजों में युद्धोन्माद पैदा किया। वह सन 1907 के हेग कन्वेंशन की रसायनों के युद्ध में उपयोग की वर्जनाओं को धता बताने वालों में अग्रणी था। लैब में बैठने के बजाय वह फौज में शरीक होकर मोर्चे पर जा पहुंचा और उसने रासायनिक हमले का उत्साहपूर्वक संचालन किया। मोर्चे पर फतहयाब होने पर उसे कैप्टेन के तौर पर प्रोन्नत कर युद्ध मंत्रालय में रसायन विभाग का मुखिया बना दिया गया। बेल्जियम में यप्रेस की जंग में उसकी संलिप्तता का आभास इससे लगाया जा सकता है कि मोर्चे पर मौजूदगी के अलावा उसने इस अभियान के लिए 150 से अधिक वैज्ञानिकों और 1300 तकनीशियनों का टोला तैयार किया।

ओट्टो पीटरसन की कमान में गैस युद्ध के लिए जिन दो रेजीमेंटों की भर्ती हुई, उसके परामर्शदाता हाबर और आटो हान थे। यही नहीं, हाबर ने विशेष फिल्टरयुक्त मास्क बनाने में भी अहम भूमिका निभायी, जिनसे जहरीली गैसों से बचा जा सकता था। उसने वह हाबर नियम भी प्रतिपादित किया, जिसमें जहरीली गैसों की सांद्रता और उनकी मारक क्षमता व समय में गणितीय संबंध दर्शाया गया था। उसकी मान्यता थी कि शांति के समय वैज्ञानिक विश्व का होता है, लेकिन युद्ध के दौरान वह राष्ट्र का होता है। उसका कहना था कि मौत तो मौत है। विषाक्त गैसों की युद्ध में हिमायत करते हुए उसने लोहे के उड़ते टुकड़ों (गोलियों) के मुकाबले जहरीलों गैसों को कम निर्दय बताया। उसका तर्क था कि विषाक्त गैस से मृत्यु जल्द होती है और पीड़ा कम।

रसायन को मौत का परवाना बनाने का हाबर का खौफनाक खेल यहीं खत्म नहीं होता। उसके कीमिया ने रसायन से मौत का रास्ता खोल दिया। उसका काम जाइक्लोन बी कीटनाशक विकसित करने का आधार बना। इसका इस्तेमाल होलोकास्ट में हुआ। इससे गैस चैम्बरों में दूसरे विश्वयुद्ध में लाखों यहूदी मारे गये। हाबर की जहरीली सोच के साथ उसके दांपत्य-जीवन का त्रासद प्रसंग भी जुड़ा हुआ है। सन 1889 में हाबर की मुलाकात क्लारा इम्मवाहर से हुई, जो एक शक्कर कारखाने के मालिक रसायनज्ञ की बेटी थी। क्लारा ब्रेस्लाऊ विश्वविद्यालय से केमिस्ट्री में पीएचडी पहली महिला थी। उसने भी 1897 में बपतिस्मा ले लिया था। अगस्त, 1901 में हाबर और क्लारा भी शादी हुई और अगले ही वर्ष पुत्र हर्मन का जन्म हुआ। शादी के करीब 14 साल बाद दो मई, 1915 की बात है कि क्लारा ने हाबर से बहस के बाद बगीचे में पति की रिवॉल्वर से खुद के सीने में गोली दाग ली। अनुमान है कि यह आत्महत्या पति-पत्नी के बीच तर्क-वितर्क और तकरार का नतीजा थी। क्लारा स्वयं रसायनज्ञ थी। वह शांतिप्रिय विदुषी महिला थी और उसे नरहसंहार के लिए रसायनों का उपयोग नापसंद था। यप्रेस की लड़ाई में हाबर की भूमिका क्लारा की हताशा बनी।

अमेरिका के साथ व्यापार संधि

//हरिशंकर व्यास//

लाख टके का सवाल है आज अमेरिका के साथ जिस व्यापार संधि की बात है उसका असल कौन जानता है? क्या कैबिनेट में विचार हुआ। मंत्रियों के समूह, सचिवों के समूह में विचार हुआ। सवाल यह भी है कि अकेले अमेरिका के राष्ट्रपति ने समझौते की घोषणा क्यों की। क्यों फिर एक घंटे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप का आभार जताया, पुष्टि की साझा घोषणा क्यों नहीं हुई। याद करें इसी तरह ट्रंप ने एकतरफा तरीके से 10 मई 2025 को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान किया था। उसके आधे घंटे के बाद भारत की ओर से एक मिनट से भी कम की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी, जिसमें सीजफायर की पुष्टि की गई थी।

इसी तरह ट्रंप ने ही ऐलान किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और यह भी ऐलान किया कि भारत अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। सवाल है जब साझा बयान तैयार नहीं है, समझौते की बातचीत पूरी तरह से फाइनल नहीं हुई है और तत्काल कोई प्रावधान लागू नहीं हो रहा था तो सोमवार, दो फरवरी की देर रात को इसकी घोषणा की क्या जरुरत थी। ध्यान रहे वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अगले चार पांच दिन में साझा बयान तैयार हो जाएगा और उसकी घोषणा हो जाएगी। इसके बाद एक हफ्ते में भारत पर लगा टैरिफ कम होगा और मार्च के मध्य में 'पहला ट्रांच' यानी समझौते के पहले हिस्से की घोषणा होगी। ऐसे में क्या यह उचित नहीं होता कि जब साझा बयान तैयार हो जाए तभी एक साथ उसकी घोषणा होती। पीयूष गोयल ने कहा है कि साझा बयान पर दस्तखत वर्चुअल तरीके से हो सकता है। जब ऐसा ही होना है तब तो यह और भी अच्छी स्थिति थी कि इंतजार किया जाता और एक साथ समझौते की घोषणा होती! लेकिन आनन फानन में दो फरवरी की रात को सवा नौ बजे के करीब भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात हुई है। उन्होंने लोगों को जुड़े रहने को भी कहा। इसके थोड़ी देर के बाद रात 10 बजे के करीब राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लंबी पोस्ट लिख कर कहा कि भारत के साथ समझौता हो गया। इसके एक घंटे बाद रात 11 बज कर दो मिनट पर प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी पुष्टि की। ध्यान रहे सोमवार को दिन में राहुल गांधी संसद में पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब का अंश लेकर संसद में पहुंचे थे और अपने भाषण में इसे उठाने का प्रयास किया था। हालांकि उनको बोलने नहीं दिया गया लेकिन सबको पता चल गया कि 31 अगस्त 2020 की रात को क्या हुआ था। कैसे भारत के राजनीतिक नेतृत्व ने सेना और सेना प्रमुख को उनके हाल पर छोड़ दिया था। उसी दिन रात में समझौते की खबर आई। लेकिन राहुल गांधी पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा। वे अगले दिन किताब लेकर संसद में पहुंचे और यह भी कहा कि 'प्रधानमंत्री कंप्रोमाइज्ड हैं'। राहुल ने कहा कि अमेरिका ने एपस्टीन फाइल्स की बहुत सी बातें अभी सार्वजनिक नहीं कीं। उनके मुताबिक एपस्टीन फाइल्स और अडानी के ऊपर मुकदमे की वजह से प्रधानमंत्री दबाव में हैं और इस वजह से समझौता हुआ है। पता नहीं हकीकत क्या है लेकिन सरकार की हड़बड़ी और टाइमिंग पर निश्चित रूप से सवाल खड़े होते हैं। हड़बड़ी की बात इसलिए है क्योंकि समझौते की घोषणा के चार दिन बाद तक किसी को पता नहीं है कि इसमें क्या है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में भी बता दिया है कि समझौता हो गया है और इसमें किसानों, पशुपालकों सहित देश के हर वर्ग के हितों का ख्याल रखा गया है। किसी के हित से समझौता नहीं किया गया है। लेकिन उधर अमेरिका के दौर पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि उनको समझौते के बारे में खास जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बारे में वाणिज्य मंत्री जान रहे होंगे। हालांकि उनके अमेरिका दौरे पर व्यापार समझौते से जोड़ कर ही देखा जा रहा है। समझौते के अगले दिन से भारत की मीडिया में यह खबर चलती रही कि जयशंकर अमेरिका गए हैं, जहां वे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से समझौते को लेकर बातचीत करेंगे। हालांकि समझौते की बातचीत में विदेश मंत्री शामिल नहीं थे इसलिए यह कहना पूरी तरह से सही नहीं था कि वे व्यापार संधि के बारे में बात करेंगे। फिर भी मीडिया में खबर चलती रही और सरकार की ओर से किसी ने इस पर पक्ष नहीं रखा। तभी लोगों ने इस पर यकीन किया।

तस्वीरों की दुनिया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गांधीनगर में सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी पर आधारित पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के लॉन्च और न्यूट्रिशन से जुड़ी योजनाओं समेत कल्याणकारी पहलों के उद्धाटन को संबोधित किया।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह गुजरात के गांधीनगर में सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी पर आधारित पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के लॉन्च के मौके पर।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के प्राचीन बड़वाले महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व पर पूजा-अर्चना की।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डबरा में नवग्रह शक्तिपीठ के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में सहभागिता कर सम्बोधित किया।

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर एक करोड़ की लागत से खटीमा सिविल न्यायालय में अधिवक्ताओं हेतु नव निर्मित चैम्बर का फीता काटकर व दीप प्रज्जवालित कर लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया खटीमा के वनखंडी महादेव मन्दिर, चकरपुर में आयोजित महाशिवरात्रि मेले का शुभारम्भ।

वाराणसी में महा शिवरात्रि के मौके पर लोग मणि मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

यूपीए के आर्थिक कुप्रबंधन से टूटती थीं डील अब आत्मविश्वास से भरा है भारतः पीएम मोदी

नईदिल्ली, 16 फरवरी [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हालिया व्यापार समझौते अधिक प्रतिस्पर्धी घरेलू उद्योग, आत्मविश्वास से भरपूर दृष्टिकोण और खुले विचारों का नतीजा हैं। व्यापार समझौतों की बात करने से पहले यह याद करना अहम है कि देश एक दशक पहले कहां खड़ा था।पूर्ववर्ती संप्रग सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उसके आर्थिक कुप्रबंधन के कारण भारत व्यापार वार्ताओं में मजबूती से अपना पक्ष नहीं रख सका और एक भी बातचीत निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। प्रधानमंत्री ने पीटीआई से एक साक्षात्कार में ट्रेड डील, आम बजट, रक्षा सुधार, विकसित भारत में महिलाओं की भूमिका से लेकर अगले तीन दशकों के लिए अपनी तीन शीर्ष प्राथमिकताएं भी गिनाईं। मोदी ने कहा कि भारत ने आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन, ईयू और अमेरिका के साथ जो व्यापार समझौते किए हैं, उनसे एमएसएमई के लिए, खास तौर पर श्रम-प्रधान क्षेत्रों में, इन देशों में लगभग शून्य शुल्क या अन्य देशों की तुलना में काफी कम शुल्क पर वस्तुओं के निर्यात के रास्ते खुल गए हैं। पिछली संप्रग सरकार ने अपने शासनकाल में कुछ व्यापार समझौते करने की कोशिश की, लेकिन यह यात्रा अनिश्चितता और अस्थिरता से भरी रही। मुख्यतः उनके आर्थिक कुप्रबंधन के कारण भारत मजबूती के साथ अपना पक्ष नहीं रख सका। उन्होंने बातचीत को निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए अनुकूल माहौल नहीं बनाया। बातचीत शुरू होती और फिर ठप पड़ जाती थी और कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकल पाता था।

सत्ता में आने के बाद हमने नीति-आधारित शासन के जरिये आर्थिक पुनरुत्थान किया, आर्थिक ढांचे को मजबूत किया और एक नियम-आधारित प्रणाली का निर्माण किया। जब हमने राजनीतिक स्थिरता, नीतिगत पूर्वानुमान और सुधार-केंद्रित दृष्टिकोण सुनिश्चित किया, तो दुनिया भारत में निवेश करने के लिए इच्छुक हो गई। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार की ओर से किए गए सुधारों से भारत के विनिर्माण और सेवा जैसे दोनों क्षेत्रों को मदद हासिल हुई तथा एमएसएमई के बीच उत्पादकता एवं प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मिला।

आत्मविश्वास से भरपूर, प्रतिस्पर्धी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत के उभार के कारण कई देशों को भारत के साथ व्यापार समझौतों पर आगे बढ़ने में फायदा दिखा। उन्होंने कहा, अब हमारे 38 साझीदार देशों के साथ एफटीए हैं, जो भारत के व्यापारिक इतिहास में एक बहुत बड़ा मील का पत्थर है। इन व्यापार समझौतों की एक खास बात यह है कि ये कई महाद्वीपों में फैले हुए हैं और इनमें अलग-अलग आर्थिक ताकत वाले देश शामिल हैं। हमारे देश में एक नया आत्मविश्वास है। अलग-अलग तरह की चुनौतियों के समय में भी हमारा राष्ट्रीय चरित्र सामने आया है और हम मुश्किल वैश्विक हालात में भी वृद्ध की चमकती हुई किरण हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग सरकार सुधारों के लिए प्रतिबद्ध है, जिसे उसने सही मायनों में करके दिखाया है। उनकी सरकार की रिफार्म एक्सप्रेस से आम लोगों को बहुत फायदा हो रहा है। अगले तीन दशकों के लिए उनकी शीर्ष तीन प्राथमिकताएं होंगी- लगातार ढांचागत सुधार, नवाचार को बढ़ाना एवं शासन को और आसान बनाना। मोदी ने यह भी कहा कि स्वभाव से वह कभी संतुष्ट नहीं होते क्योंकि उनका मानना है कि सार्वजनिक जीवन में एक तरह की रचनात्मक बेचैनी, और अधिक करने की लगातार इच्छा, तेजी से सुधार करने और बेहतर सेवा करने की आवश्यकता होती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल में पेश केंद्रीय बजट में जानबूझकर अल्पकालिक लोकलुभावन घोषणाओं से बचा गया। इसके बजाय नौकरियों और सतत वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे में रिकार्ड पूंजीगत आवंटन किया गया। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने अपने कार्यकाल का इस्तेमाल पिछली सरकारों द्वारा छोड़ी गई ढांचागत खामियों को दूर करने, बड़े सुधार करने और विकसित भारत की नींव रखने के लिए किया है। यह बजट उस यात्रा के अगले स्तर को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा, हमारा कोई भी बजट एक आम बही खाता बनाने के नजरिये से नहीं बनाया गया है.. अगर कोई पिछले 25 वर्षों में मेरे नजरिये को करीब से देखे तो यह साफ हो जाता है कि हमारा काम टुकड़ों में नहीं होता। इस साल का बजट मजबूरी के कारण पैदा हुआ अभी नहीं तो कभी नहीं वाला पल नहीं था, बल्कि तैयारी और प्रेरणा से उपजा हम तैयार हैं वाला क्षण था। यह बजट एक विकसित राष्ट्र बनने की भारत की प्रबल इच्छा को रेखांकित करता है। डाटा सेंटर में निवेश को बढ़ावा देने के लिए बजट में नए प्रोत्साहनों का उल्लेख करते हुए मोदी ने भारत को डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और एआई के ग्लोबल हब के तौर पर भी पेश किया। उन्होंने कहा कि देश दुनिया का डाटा होस्ट करने और तकनीकी क्रांति की अगली लहर का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने कहा, हम पूरी दुनिया के डाटा को भारत आने के लिए आमंत्रित करते हैं!

PAK के खिलाफ टीम इंडिया की शानदार जीत पर रिंकू सिंह के पिता हुए भावुक, बोले- बेटा वर्ल्ड कप ट्रॉफी लेकर ही आना

अलीगढ़। बेटा बहुत बढ़िया खेले, ऐसे ही खेलते रहो। बस ये याद रखना, वर्ल्ड कप की ट्रॉफी तुमको लानी है। ये वो शब्द हैं जो अलीगढ़ से पिता खान चंद ने कोलंबो में अपने बेटे रिंकू सिंह से बोले।रिंकू ने मैच के बाद फोन कर पिता खान चंद्र से उनकी तबीयत के बारे में पूछा। मैच के बारे में पूछा कि कैसा लगा। तब पिता ने कहा, बेटा आनंद आ गया। ट्रॉफी तुमको ही लेकर आनी है। टीम इंडिया को बधाई। सभी खिलाड़ी बहुत अच्छा खेले।ओजोन सिटी स्थित रिंकू के आवास पर रविवार का दिन खास था। पिता खान चंद मैच शुरु होने से पहले ही टीवी के सामने बैठ गए। रिंकू की मां बीना देवी पूजा करने बैठ गईं थीं। मैच के दौरान वो कभी पूजा स्थल तो कभी टीवी के सामने आती-जाती रहीं। भारतीय टीम की जीत व बेटे के बेहतर प्रदर्शन के लिए मंदिर में प्रसाद के लिए राशि भी निकालकर रख दी थी। संकल्प किया था कि भारतीय टीम जीती तो भोग अर्पण कर प्रसाद बाटेंगी। भारत की जीत के बाद सबको प्रसाद खिलाकर मुंह मीठा कराया।मां बीना देवी ने कहा कि इस मैच में रिंकू को कम खेलने का मौका मिला। ज्यादा ओवर खेलता तो स्कोर और बढ़ता। बेटे को यही आशीर्वाद है कि वो पूरे टूर्नामेंट में अच्छा खेले और ट्राफी जीतकर आए। भारत की जीत से पूरे परिवार में खुशी का माहौल रहा।

संतकबीर नगर में बेकाबू होकर खाई में गिरी बाइक, दो युवकों की दर्दनाक मौत

संतकबीर नगर। मोबाइल बनवाकर गोरखपुर से घर लौट रहे दो युवक हादसे का शिकार हो गए। युवकों की तेज बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में गिर गई, जिससे दोनों की मृत्यु हो गई। यह हादसा मेंहदावल थाना क्षेत्र के बेलौली गांव के पास हुआ। मृतकों में एक बाहर नौकरी करता था जबकि दूसरा गांव में ही रहता था। 25 वर्षीय रामकेश उर्फ छोटू यादव पुत्र मोहरत यादव, निवासी बढ़या ठाठर टोला मधईपुर व 22 वर्षीय सोहन उर्फ गोलू पुत्र गोपाल कन्नौजिया, निवासी बरूईपुर शनिवार की शाम मोबाइल बनवाने गोरखपुर गए थे।

प्रसाद खाने से 19 लोग बीमार असिस्टेंट प्रोफेसर की मौत

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में भेड़ाघाट स्थित त्रिपुर सुंदरी मंदिर में प्रसाद स्वरूप चढ़ाई गई मिठाई खाने से परिवार के 19 लोग बीमार हो गए। इनमें नागपुर में इलाजरत 45 वर्षीय असिस्टेंट प्रोफेसर इंद्रपाल पटेल की रविवार को मौत हो गई। जबकि सात लोगों का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है।गुरुवार को हुई इस घटना के दो दिन बाद शनिवार को खाद्य विभाग ने बीकानेर मिष्ठान दुकान से सैंपल लेकर जांच के लिए भोपाल भेजे हैं। अधिकारियों ने बताया कि तीन से चार दिन में रिपोर्ट आने की संभावना है। भेड़ाघाट निवासी इंद्रपाल पटेल एलएनसीटी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर थे।प्रोफेसर के परिवार ने इस दुकान से करीब चार किलो मिठाई खरीदी थी, जिसे मंदिर में अर्पित करने करने के बाद सभी ने खाया। जिसके कुछ घंटे बाद ही लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। गुरुवार रात तक 19 लोग फूड पाइजनिंग के शिकार हो गए। इनमें छह बच्चे और 11 महिलाएं शामिल थे।

हिंद महासागर में अमेरिकी सेना का बड़ा ऑपरेशन बीच समुद्र में रोका प्रतिबंधित ईरानी तेल टैंकर

पेंटागन , 16 फरवरी [एजेंसी]।

ईरानी तेल के अवैध कारोबार पर नकेल कसते हुए अमेरिकी सेना ने हिंद महासागर में बड़ी कार्रवाई की है। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने पुष्टि की कि अमेरिकी नौसेना ने 'वेरोनिका ॥॥ ' नामक तेल टैंकर को बीच समुद्र में रोककर कब्जा कर लिया।अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के अनुसार, यह कार्रवाई राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा वेनेजुएला के तेल निर्यात पर लगाए गए क्वारंटाइन उल्लंघन को रोकने के लिए की गई है। अमेरिकी नौसेना ने इस ऑपरेशन को बेहद सटीकता के साथ अंजाम दिया गया। दरअसल, वेनेजुएला कई वर्षों से अपने तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा था और कच्चे तेल की तस्करी के लिए फर्जी झंडे वाले टैंकरों के एक गुप्त बेड़े पर निर्भर था। राष्ट्रपति ट्रंप ने तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बनाने के लिए दिसंबर में प्रतिबंधित टैंकरों को प्रतिबंधित करने का आदेश दिया था, जिसके बाद जनवरी में एक अमेरिकी सैन्य अभियान के दौरान मादुरो को गिरफ्तार कर लिया गया था।छापेमारी के बाद कई टैंकर वेनेजुएला के तट से भाग गए, जिनमें वह जहाज भी शामिल था जिस पर रात भर हिंद महासागर में कब्जा कर लिया गया था। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिकी सैन्य बलों ने कैरेबियन सागर से एक जहाज का पीछा करने के बाद हिंद महासागर में एक और प्रतिबंधित टैंकर पर चढ़ाई की।

जहाज ने राष्ट्रपति ट्रंप के क्वारंटाइन का उल्लंघन करने की कोशिश की। हमने कैरिबियन से हिंद महासागर तक उसका पीछा किया, दूरी कम की और उसे नष्ट कर दिया। पेंटागन द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में अमेरिकी सैनिकों को टैंकर पर चढ़ते हुए दिखाया गया है। हालांकि, पेंटागन ने अपने पोस्ट में यह नहीं बताया कि वेरोनिका ॥॥ को औपचारिक रूप से ज़ब्त कर अमेरिकी नियंत्रण में लिया गया है या नहीं।अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय की वेबसाइट के अनुसार, वेरोनिका ॥॥ पनामा के ध्वज वाला एक जहाज है जो ईरान से संबंधित अमेरिकी प्रतिबंधों के अंतर्गत आता है। टैंकरट्रैकर्स डॉट कॉम ने रविवार को X पर पोस्ट किया कि वेरोनिका ॥॥ जहाज 3 जनवरी को वेनेजुएला से रवाना हुआ, उसी दिन मादुरो को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें लगभग 2 मिलियन बैरल कच्चा तेल और ईंधन तेल था।

एयरलिफ्ट कर संगरूर से मोहाली लाए गए मुख्यमंत्री मान, स्वास्थ्य जांच के बाद ऑब्जर्वेशन रखा गया, हालत स्थिर

चंडीगढ़, 16 फरवरी [एजेंसी]।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। वह संगरूर में आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सदस्य राजिंदर गुप्ता के साथ थे। उन्हें एयरलिफ्ट कर मोहाली स्थित फोर्टिस अस्पताल मोहाली में भर्ती करवाया गया है। डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। फोर्टिस एस्कोर्ट मोहाली की तरफ से जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार मुख्यमंत्री को नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल का दौरा किया है। सभी जीवन रक्षक मानक सामान्य और स्थिर पाए गए हैं। फिलहाल उन्हें अत्यधिक थकावट की शिकायत है, जिसके चलते एहतियातन निगरानी में रखा गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के इंटरव्यू पर कांग्रेस का वार बजट और ट्रेड डील से ध्यान भटकाने की कोशिश

नईदिल्ली, 16 फरवरी [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीटीआई को दिए साक्षात्कार पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे सावधानीपूर्वक लिखी गई और हताश पीआर कवायद करार दिया है। पार्टी का आरोप है कि यह इंटरव्यू वास्तविक सवालों से बचने और सुर्खियां प्रबंधित करने का प्रयास है। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री व्यापार समझौते और बजट को लेकर विपक्ष के हमलों से घिरे हुए हैं, इसलिए वह अपने पसंदीदा हथकंडे यानी हेडलाइन मैनेजमेंट का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इस वर्ष का बजट निराशाजनक रहा है और बाजार व निवेशकों की प्रतिक्रिया भी उत्साहजनक नहीं रही।जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री किसानों और अन्य वर्गों से जुड़े मुद्दों से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह कोई इंटरव्यू नहीं बल्कि एक सोचा-समझा प्रचार अभ्यास है। प्रधानमंत्री द्वारा संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान व्यापार वार्ताओं की आलोचना किए जाने पर कांग्रेस ने पलटवार करते हुए उनके आरोपों को अनुचित और गलत करार दिया है। पार्टी का कहना है कि यूपीए शासन में भारत ने एक आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में कई महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए थे।

पूर्व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री आनंद शर्मा ने बयान जारी कर कहा कि यूपीए काल में भारत की अर्थव्यवस्था ने औसतन आठ प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर्ज की और 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद भी मजबूती से उभरी। उन्होंने मौजूदा सरकार द्वारा अमेरिका के साथ हुए अंतरिम व्यापार समझौते को अपारदर्शी बताते हुए उसके विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। उनका आरोप है कि कृषि, कपास और वस्त्र जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए भारत एकदम सही स्थान, UN प्रमुख ने की अर्थव्यवस्था की तारीफ

नई दिल्ली 16 फरवरी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने कहा है कि भारत एक बहुत सफल उभरती अर्थव्यवस्था है। उसका न केवल ग्लोबल इकोनामी बल्कि वैश्विक मामलों में भी अहम रोल है। यह एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए एकदम उपयुक्त स्थान है। गुटेरस ने एक साक्षात्कार में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का लाभ पूरी दुनिया को मिलना चाहिए न कि केवल विकसित देशों या दो सुपरपावरों यानी महाशक्तियों को। उनका इशारा अमेरिका और चीन की ओर था। उन्होंने भारत को इस शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि यह आवश्यक है कि एआई का विकास सभी के लाभ के लिए हो।ग्लोबल साउथ के देश भी इसका हिस्सा बनें। 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाला यह उच्चस्तरीय कार्यक्रम वैश्विक दक्षिण में पहला एआई शिखर सम्मेलन है जो लोगों, ग्रहों और प्रगति के तीन मार्गदर्शक सिद्धांतों पर आधारित है। गुटेरस ने कहा कि एआई को मानवता के लाभ के लिए एक सार्वभौमिक उपकरण बनाना आवश्यक है। उन्होंने भारत की भूमिका को उजागर करते हुए कहा कि यह शिखर सम्मेलन एआई की सभी संभावनाओं और जोखिमों पर गहन चर्चा का अवसर प्रदान करेगा। गुटेरस ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हालिया व्यापार समझौता अच्छा उदाहरण है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को मजबूत करता है।

पिनाराई विजयन फिर बनेंगे केरल के सीएम, कांग्रेस की चुनावी तैयारियों के बीच मणिशंकर अय्यर का बयान, पार्टी ने झाड़ा पल्ला

तिरूवनंतपुरम, 16 फरवरी [एजेंसी]।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मंत्री मणिशंकर अय्यर ने केरल विधानसभा चुनाव को विवादित बयान दिया है। मणिशंकर अय्यर ने केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन की मौजूदगी में उनके तीसरे कार्यकाल की भविष्यवाणी की। हालांकि, कांग्रेस ने इससे पल्ला झाड़ लिया।दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर तिरुवनंतपुरम में केरल सरकार के विजन 2031 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डेवलपमेंट एंड डेमोक्रेसी को संबोधित करने पहुंचे थे। इस दौरान अय्यर के इस वामपंथी प्रेम ने पार्टी के भीतर भारी हंगामा खड़ा कर दिया है।

अय्यर ने कहा है कि केरल भारत का एकमात्र राज्य है, जो गांधी जी के पदचिन्हों पर आगे बढ़ा है. जिसकी तरक्की हुई है। इसके अलावा उन्होंने भरोसा जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन आगामी विधानसभा चुनाव में अपना पद बनाए रखें। अय्यर ने कहा, मुख्यमंत्री की उपस्थिति में, जिनके पद पर बने रहने का मुझे पूरा विश्वास है, मैं अपनी अपील दोहराता हूं, केरल को देश का सर्वश्रेष्ठ पंचायती राज राज्य बनाने के लिए, व्यावहारिक अनुभव के आधार पर राज्य कानून में संशोधन किया जाना चाहिए। इसलिए, मुख्यमंत्री विजयन, मुझे आपके चरणों में गिरकर आपसे निवेदन करना होगा कि कांग्रेस द्वारा छोड़ी गई इस जिम्मेदारी को आप आगे बढ़ाएं।

एक ओर जहां केरल कांग्रेस इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों में सत्ता वापसी की तैयारी कर रही है, वहीं अय्यर के इस वामपंथी प्रेम ने पार्टी के भीतर भारी हंगामा खड़ा कर दिया है। हालांकि, मणि शंकर अय्यर के इस बयान पर कांग्रेस ने पल्ला झाड़ लिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने एक्स पर लिखा, मणि शंकर अय्यर का पिछले कुछ वर्षों से कांग्रेस से कोई संबंध नहीं है। वे पूरी तरह से अपनी व्यक्तिगत क्षमता से बोलते और लिखते हैं।

आतंकी गतिविधियों पर ATS का बड़ा एक्शन दो जिलों में की छापेमारी, हिरासत में कई संदिग्ध

नई दिल्ली। महाराष्ट्र एटीएस ने रविवार को आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों को लेकर मिली खुफिया सूचना के आधार पर यवतमाल और अहिल्यानगर जिलों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। कई संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।आधी रात को शुरू किए गए इस अभियान के दौरान एटीएस ने दोनों जिलों में 20 से अधिक स्थानों पर तलाशी ली और दर्जनभर से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि राज्य में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की सटीक जानकारी मिलने के बाद एटीएस ने स्थानीय पुलिस टीम के साथ मिलकर यवतमाल जिले के पुसद और उमरखेड में छापेमारी की। अधिकारी के अनुसार, संदिग्धों के आवास और कार्यालयों सहित कुल 14 ठिकानों पर तलाशी जारी है। तलाशी के दौरान टीम ने कई मोबाइल फोन, इलेक्ट्रानिक उपकरण, सीसीटीवी फुटेज और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए हैं। अधिकारी ने बताया कि इसी तरह अहिल्यानगर जिले में सात स्थानों पर छापेमारी की गई।

फौजी की पत्नी का जेठ के बेटे ने चाकूओं से गोदकर बेरहमी से किया कत्ल, इलाके में फैली सनसनी

यमुनानगर, 16 फरवरी [एजेंसी]।

थाना छप्पर क्षेत्र के गांव भंभौल में 34 वर्षीय मोनिका उर्फ पूजा की चाकू से गोंदकर निर्मम हत्या कर दी गई। आरोप उसके ही जेठ के बेटे योगराज व उसके साथी सचिन पर लगा है। हालांकि उसके मरने से पहले सचिन उसे अपनी कार में अस्पताल में भी लेकर गया लेकिन वहां चिकित्सकों ने जैसे ही उसे मृत बताया तो वह फरार हो गया।महिला का पति जसबीर फौजी है। फिलहाल वह जम्मू कश्मीर में तैनात है। थाना छप्पर पुलिस मामले में जांच कर रही है। जिसमें प्रेम प्रसंग का एंगल सामने आ रहा है।पुलिस को दी शिकायत में मां कांता देवी ने बताया कि योगराज के साथ उसका दोस्त अंबाला के गांव मंगलाई निवासी सचिन एक दो बार घर पर आया। जिसके बाद उससे मोनिका की जान पहचान हो गई थी। बाद में सचिन कई बार घर पर अकेला भी आया। शनिवार की रात को खाना खाने के बाद मोनिका अपने बेटे के साथ कमरे में चली गई थी।

रात लगभग 11 बजे उसके कमरे से चिल्लाने की आवाज आई। यह सुनकर उठी और उसके कमरे का दरवाजा खोला तो योगराज हाथ में चाकू लिए मोनिका पर वार कर रहा था। उसने गर्दन, छाती पेट, हाथों पर ताबड़तोड़ वार किए। आरोप है कि इस वारदात में सचिन भी उसके साथ था। यह देखकर शोर मचाया तो योगराज चाकू लेकर मकान की छत पर चढ़ गया और वहां से कूदकर फरार हो गया। जबकि मकान का मुख्य गेट बंद होने के कारण सचिन नहीं भाग सका। शोर सुनकर पड़ोसी आया। जिसके बाद गेट खोला। पड़ोसी विशाल के साथ सचिन घायल अवस्था में मोनिका को कार से अस्पताल में लेकर गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कांता देवी का कहना है कि उनकी बेटी की ससुराल वालों से कोई दुश्मनी नहीं है। वह यहां मायके में रहती है। फिर पता नहीं क्यों योगराज ने यह वारदात की। प्रॉपर्टी कब्जाने के लिए यह साजिश हो सकती है।मृतका मोनिका की शादी लगभग दस वर्ष अंबाला के गांव कलरेड़ी निवासी जसबीर सिंह के साथ हुई थी।

इस शादी से उसके पास एक सात वर्ष का बेटा है। वह इकलौती बेटी थी। उसके पिता रघुवीर सिंह की लगभग पांच वर्ष पहले मौत हो गई थी। वह भी सेवानिवृत्त फौजी थे। जिसके बाद से ही वह बेटे व पति के साथ मायके में ही रहने लगी थी।यहां गांव में दस दिन पहले उसकी नानी प्रेमी देवी भी आई हुई थी। जिस समय वारदात हुई। वह भी शोर सुनकर भागी और आरोपित योगराज को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह छत से कूदकर भाग निकला। जिस तरह से वारदात हुई। उससे प्रेम प्रसंग से जुड़ा ही मामला लग रहा है, क्योंकि सचिन का अक्सर मोनिका से मिलना जुलना होता रहा। जिस मकान में वारदात हुई। उसके मुख्य गेट का ताला लगा हुआ था। पुलिस की जांच में आया कि दोनों आरोपित मकान में दीवार फांदकर घुसे। पुलिस व फोरेंसिक टीम के साथ मिलकर पूरा घर भी सर्च किया। इस दौरान पुलिस को पास की नाली से एक चाकू भी बरामद हुआ।इस चाकू से ही वारदात को अंजाम दिया गया था। अभी तक पुलिस बयानों के आधार पर योगराज व सचिन को आरोपित मानकर जांच कर रही है। छप्पर थाना प्रभारी वेदपाल ने बताया कि मामले में मृतका के स्वजन के बयान पर दोनों आरोपितों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है। आगे तफ्तीश की जा रही है।

घर के बगीचे में आसानी से उगाया जा सकता है खीरा, जानिए इसका तरीका

लंबा खीरा एक पौष्टिक सब्जी है, जिसे आप अपने घर के बगीचे में आसानी से उगा सकते हैं। यह सब्जी सलाद, सब्जी या अचार के रूप में उपयोग की जा सकती है। इसमें विटामिन और मिनरल की भरपूर मात्रा होती है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकती है। इस लेख में हम आपको लंबा खीरा उगाने के सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिससे आप अपने घर के बगीचे में ताजगी और पौष्टिकता ला सकते हैं।

सही जगह चुनें

लंबा खीरा उगाने के लिए सबसे पहले आपको सही जगह चुननी होगी। ऐसी जगह चुनें जहां पर धूप अच्छी तरह से आती हो, क्योंकि खीरे को बढ़ने के लिए दिन में कम से कम 6-8 घंटे धूप जरूरी होती है। इसके अलावा जगह ऐसी होनी चाहिए, जहां पानी निकास अच्छी तरह हो सके। इससे पौधे में ज्यादा पानी नहीं रुकेगा और जड़ें सड़ने से बच जाएंगी। अच्छे जल निकास से पौधे स्वस्थ रहते हैं।

बीज बोना

लंबा खीरा उगाने के लिए सबसे अहम बीज बोने की प्रक्रिया होती है। बीज बोने के लिए सबसे पहले मिट्टी तैयार करें और उसमें अच्छी तरह से खाद मिलाएं। इसके बाद बीजों को 2-3 इंच गहराई पर डालें और हल्की मिट्टी से ढक दें, ताकि वे सुरक्षित रहें। ध्यान रखें कि बीजों के बीच कम से कम 1-2 फीट की दूरी हो, ताकि हर पौधा अच्छी तरह से विकसित हो सके।

नियमित पानी दें

बीज बोने के बाद नियमित रूप से पौधों को पानी दें, लेकिन ध्यान रखें कि ज्यादा पानी न दें। ऐसा करने से पौधे सड़ सकते हैं। सबसे अच्छा समय सुबह या शाम का होता है, जब सूरज की रोशनी कम होती है। इस समय पानी देने से मिट्टी भी ठंडी रहती है और पौधों को पर्याप्त नमी मिलती है। हर दिन एक बार हल्का छिड़काव करें, ताकि पौधे स्वस्थ रहें और उनकी वृद्धि सही तरीके से हो सके।

खाद का उपयोग करें

पौधों को स्वस्थ रखने के लिए समय-समय पर खाद और पोषण का उपयोग करना जरूरी होता है। हर महीने पौधों में एक बार जैविक खाद डालें, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर होगी। इसके अलावा पोषक तत्वों की कमी दूर होगी और खीरे का उत्पादन भी बढ़ेगा। पोषण के रूप में नीम खली, गोबर खाद या वर्मीकम्पोस्ट का उपयोग कर सकते हैं। इससे पौधों की वृद्धि तेज होगी और वे ज्यादा स्वस्थ रहेंगे।

कीड़े भगाने के उपाय

पौधों को कीड़ों से बचाने के लिए समय-समय पर कीड़े भगाने के उपाय करें। इसके लिए आप नीम के तेल या बेकिंग सोडा के मिश्रण का उपयोग कर सकते हैं। इनसे न केवल कीड़े भागते हैं, बल्कि पौधों की जड़ों को भी मजबूती मिलती है। ये सरल तरीके अपनाकर आप अपने घर के बगीचे में आसानी से लंबा खीरा उगा सकते हैं। इस तरह न केवल आपको ताजगी भरे खीरे मिलेगी, बल्कि पौष्टिकता भी मिलेगी।

आईना हैं अनुभव सिन्हा की फिल्में, वह बेहतरीन तरीके से पेश करते हैं कहानी : तापसी पन्नू

'मुल्क', 'थप्पड़' और 'आर्टिकल 15' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद तापसी पन्नू अब अनुभव सिन्हा के साथ आ रही फिल्म अस्सी को लेकर उत्साहित हैं। तापसी ने अनुभव सिन्हा के साथ काम करने के अनुभव को शानदार बताया। तापसी पन्नू ने उन्हें एक ऐसा निर्देशक बताया जो कहानियों को बहुत सच्चाई और सरलता से पेश करते हैं। तापसी ने कहा, मैं अनुभव सिन्हा को सिर्फ कोर्टरूम ड्रामा तक सीमित नहीं रखना चाहती। उन्हें बहुत सी ऐसी चीजों को बेहतरीन तरीके से सामने लाने की कला आती है जो उनकी फिल्मों को ड्रामाई रूप से रियल और शानदार बनाती हैं। चाहे 'मुल्क' या 'अस्सी' जैसे कोर्टरूम ड्रामा हों या 'थप्पड़' और 'आर्टिकल 15' जैसी कहानियां, उनकी कहानी कहने का अंदाज बेहतरीन है और वह सच को सहजता से सामने लाते हैं। उन्होंने आगे बताया कि अनुभव सिन्हा जिंदगी की सच्चाई को इतनी आसानी से दिखाते हैं कि एक बार सामने आने के बाद उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यही वजह है कि उनकी फिल्में इतनी असरदार बनती हैं। तापसी का मानना है कि जब कोई डायरेक्टर सबसे साधारण कहानियों को भी दमदार तरीके से पेश कर सकता है तो एक्टर उसके साथ सबसे सुरक्षित महसूस करता है।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोई यह कह सकता है कि अनुभव की फिल्मों में किसी एक्टर ने अच्छा काम नहीं किया। अनुभव जो मटेरियल और सीन देते हैं, उनमें अगर एक्टर पूरी तरह कमिटेड है तो गलत होने की गुंजाइश बहुत कम रहती है। उनके दिए डायलॉग और मोमेंट्स एक बच्चे को कैंडी शॉप में मिलने वाली खुशी जैसे होते हैं। 'अस्सी' में तापसी पन्नू के साथ लीड रोल में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद जीशान अय्यूब नजर आएंगे। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा के स्पेशल अपीयरेंस भी हैं। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में तैयार फिल्म को गुलशन कुमार और टी-सीरीज पेश कर रहे हैं। यह बनारस मीडिया वर्क्स का प्रोडक्शन है, जिसे भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, और अनुभव सिन्हा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ओ रोमियो ने आते ही काटा बवाल, 7 साल बाद शाहिद की फिल्म को मिली तगड़ी ओपनिंग

शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज ने नौ साल के बाद ओ रोमियो से बड़े पर्दे पर कमबैक किया है. ये जोड़ी इससे पहले कमीने, हैदर और रंगून जैसी शानदार फिल्में जे चुकी है. ऐसे में गैंगस्टर ड्रामा ओ रोमियो से भी काफी उम्मीदें हैं. ये फिल्म 13 फरवरी, शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई और इस फिल्म का शनाया कपूर और आदर्श गौरव की 'तू या मैं' से क्लैश हुआ है. वहीं ओ रोमियो की बात करें तो इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक शुरुआत की है. ऐसे में चलिए यहां जानते हैं ओ रोमियो ने रिलीज के पहले दिन कितने करोड़ से ओपनिंग की है? ओ रोमियो के ट्रेलर को काफी पसंद किया गया था. फिल्म में शाहिद कपूर के अलावा तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, विक्रांत मैसी, दिशा पाटनी, फरीदा जलाल और नाना पाटेकर जैसे कई दमदार कलाकारों की टोली है. जिसके चलते फिल्म को लेकर फैंस में पहले ही जबरदस्त एक्साइटमेंट थी. हालांकि विशाल भारद्वाज निर्देशित इस फिल्म का रिलीज से पहले कोई खास प्रमोशन नहीं किया गया जिसके चलते इसका बज कम ही था. लेकिन सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है. इसी के साथ स्ट्रॉन्ग वर्ड ऑफ माउथ काम कर गया और इस फिल्म ने अच्छी ओपनिंग कर ली है. सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक ओ रोमियो ने रिलीज के पहले दिन 8.25 करोड़ की ओपनिंग की है.

कम बजट में घूमने की है योजना? इन 5 बातों का ध्यान रखकर करें प्लानिंग

अगर आप बजट में घूमने की योजना बना रहे हैं तो आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। इससे आपका अनुभव सुखद और यादगार रहेगा। बजट में यात्रा करने से न केवल आपकी जेब पर भार नहीं पड़ेगा, बल्कि आपको नई जगहों का आनंद लेने और वहां की संस्कृति को करीब से जानने का मौका भी मिलेगा। आइए जानते हैं कि बजट में घूमने के लिए क्या-क्या करना चाहिए।

यात्रा की योजना बनाएं

यात्रा की योजना बनाना बहुत जरूरी है। सबसे पहले तय करें कि आपको कहां जाना है और वहां कैसे पहुंचना है। अपने बजट का हिसाब रखें और देखें कि कौन सी सेवाएं आपके लिए सस्ती और सुविधाजनक हो सकती हैं। इसके अलावा यात्रा के दौरान क्या-क्या करना है, कहां ठहरना है और क्या-क्या देखना है, इसकी भी योजना बनाएं। इससे आपकी यात्रा सुचारू और मजेदार रहेगी।

स्थानीय परिवहन का उपयोग करें

बजट में यात्रा करने के लिए स्थानीय परिवहन का उपयोग करना अच्छा विकल्प हो सकता है। यह न केवल सस्ता होता है, बल्कि इसमें घूमने से आपको स्थानीय लोगों से मिलने और उनकी संस्कृति को जानने का मौका भी मिलता है। बस, ट्रेन या ऑटो रिक्शा जैसे साधनों का उपयोग करके आप नए अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा स्थानीय परिवहन से आपकी यात्रा अधिक रोमांचक और यादगार बन सकती है, जिससे आपको नई जगहों का असली मजा मिलेगा।

खाने-पीने पर ध्यान दें

यात्रा करते समय आपको हमेशा अच्छा और सस्ता भोजन करना चाहिए। होटल रेस्टोरेंट के बजाय स्थानीय ढाबों या सड़क किनारे मिलने वाले खाने का आनंद लें। इससे न केवल आपका खर्चा कम होगा, बल्कि आपको असली स्वाद और अनुभव भी मिलेगा। स्थानीय व्यंजनों का सेवन करके आप वहां की संस्कृति और जीवनशैली को करीब से जान सकते हैं। इसके अलावा स्थानीय खाने से आपकी सेहत भी बेहतर बनी रहती है।

मुफ्त में घूमने वाली जगहों पर जाएं

हर शहर या देश में कुछ ऐसी जगहें होती हैं, जहां जाने के लिए आपको पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती। इन जगहों पर जाकर आप वहां की प्राकृतिक सुंदरता, पुरानी धरोहर और सांस्कृतिक विविधता का आनंद ले सकते हैं। पार्क, संग्रहालय, पहाड़ या समुद्र तट जैसी जगहें आपकी बजट यात्रा का हिस्सा बन सकती हैं। इनसे न केवल आपका खर्चा बचेगा, बल्कि आपको नई जगहों की असली खूबसूरती देखने को मिलेगी।

समूह में यात्रा करें

अगर संभव हो तो समूह में यात्रा करें, जिससे आपके पैसे बच जाएंगे। इससे आपकी लागत कम आएगी, क्योंकि समूह में यात्रा करने पर आप होटल और गाड़ी आदि खर्चों को बांट सकते हैं। इसके अलावा समूह में यात्रा करने से आपको नए दोस्त बनाने का मौका मिलता है और साथ-साथ कई मजेदार अनुभव भी मिलते हैं। यह तरीका न केवल आपकी जेब पर हल्का रहेगा, बल्कि यात्रा को और भी यादगार और रोमांचक बना देगा।

दो दीवाने सहर में में नैना बनकर सीखा कि भाई-बहनों के बीच तुलना, खुशियां चुरा लेती हैं: संदीपा धर

20 फरवरी को रिलीज़ होने जा रही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नैना के किरदार में नज़र आने जा रही संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक ऐसा भावुक और सच्चा अनुभव साझा किया है, जिससे हम सब कभी न कभी गुज़रे होंगे। फिल्म में मृणाल ठाकुर की बहन बनी संदीपा धर ने जिस खूबसूरती से अपनी बात रखी है, उससे उनके फैंस उनकी तारीफ़ करते नहीं थक रहे हैं। हालांकि अपने इस पोस्ट के ज़रिए उन्होंने न सिर्फ समाज की सच्चाई सामने रखी है, बल्कि फिल्म के भावनात्मक पहलू को भी उजागर किया है। संदीपा ने अपने सोशल मीडिया पर एक संदेश के साथ कड़वी सच्चाई बयां करते हुए लिखा है, अपने भाई या बहन को देखो, वह कितना अच्छा हैज् यह एक ऐसा वाक्य है जो बचपन की अनकही यादों को तुरंत जगा देता है। इस नोट के साथ उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म में नैना और रोशनी का रिश्ता इसी तुलना के दुष्चक्र से गुजरता है। रोशनी को बार-बार यह एहसास दिलाया जाता है कि वह 'काफी नहीं' है, और नैना पर 'बहुत ज़्यादा परफेक्ट' बने रहने का दबाव रहता है। संदीपा के मुताबिक, नैना का किरदार निभाते हुए उन्हें समझ आया कि कैसे लगातार तुलना किसी की पहचान, आत्मविश्वास और रिश्तों को धीरे-धीरे खोखला कर देती है। संदीपा कहती हैं कि तुलना, भाई-बहनों को प्रतिद्वंद्वी बना देती है, प्यार को शर्तों से जोड़ देती है और ऐसे ज़ख्म छोड़ जाती है जिन्हें भरने में सालों लग जाते हैं। माता-पिता, शिक्षक या रिश्तेदार अक्सर अनजाने में कहे गए अपनी बहन जैसी बनो जैसे वाक्यों के असर को नहीं समझ पाते, लेकिन वही बातें जीवन भर दिमाग में गूंजती रहती हैं। गौरतलब है कि रोमांस से आगे बढ़कर, दो दीवाने सहर में एक ऐसी सच्चाई को सामने लाती है, जिसे आप छोटी उम्र से ही महसूस करना शुरू कर देते हैं। यकीन मानिए, यह तुलना सिर्फ बचपन को नहीं, बल्कि इंसान की पूरी पहचान को आकार देती है। ऐसे में ये फिल्म दर्शकों से भी एक सीधा सवाल पूछती है कि बचपन में आप नैना थीं या रोशनी?

सू- दोकू क्र.317

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.316 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -317

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 316 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	र्रा
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

आदर्श-शनाया की तू या मैं को दर्शकों ने नहीं दिया भाव

आदर्श गौरव और शनाया कपूर की नई फिल्म 'तू या मैं' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. इस सर्वाइवल ड्रामा का क्लैश शाहिद कपूर की ओ रोमियो से हुआ. वहीं 'तू या मैं' पहले ही दिन दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आई. इसी के साथ फिल्म की ओपनिंग भी बेहद ठंडी रही है. चलिए यहां जानते हैं 'तू या मैं' ने रिलीज के पहले दिन कितनी कमाई की है? आदर्श गौरव और शनाया कपूर की फिल्म 'तू या मैं' दर्शकों को इम्प्रेस नहीं कर पाई. वहीं इसे ओ रोमियो से क्लैश और कुछ हफ्तों पुरानी बॉर्डर 2 और मर्दानी 3 से मुकाबला करना भारी पड़ा. जिसके चलते ये पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर पिट गई. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो इसे ओपनिंग डे पर बड़ी मुश्किल से लाखों कमा पाई है.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'तू या मैं' ने रिलीज के पहले दिन 50 लाख का कलेक्शन किया है.

महाशिवरात्रि पर हसदेव उद्गम तट के शिव मंदिर में उमड़ा श्रद्धालु

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड अंतर्गत ग्राम मेंड्रा स्थित पावन हसदेव उद्गम तट पर विराजित शिव मंदिर में महाशिवरात्रि का पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर चरणदास महंत, नेता प्रतिपक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा, एवं क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत परिवार सहित मंदिर पहुंचे और विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्तजन हसदेव उद्गम तट स्थित इस प्राचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक और रुद्राभिषेक करने पहुंचे। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था तथा विशेष पूजन-अर्चन और भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया गया। डॉ. चरणदास महंत एवं सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने मंदिर में पूजा-अर्चना के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उन्हें महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि का पर्व आध्यात्मिक ऊर्जा, आत्मशुद्धि और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। भगवान शिव त्याग, करुणा और समरसता के प्रतीक हैं, जिनसे हमें सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने प्रदेश की उन्नति और जनकल्याण के लिए सामूहिक प्रार्थना की। इस अवसर पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो, पूर्व विधायक डॉ. विनय जायसवाल, पूर्व विधायक श्रीमती अंबिका सिंहदेव, एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे, जिला कांग्रेस कमेटी कोरिया के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, जिला अध्यक्ष एमसीबी अशोक श्रीवास्तव सहित कांग्रेस पार्टी के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने भी शिव मंदिर में दर्शन-पूजन कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रशासन एवं स्थानीय समिति के सहयोग से सुरक्षा और व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया था, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। हसदेव उद्गम तट स्थित यह शिव मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां प्रत्येक वर्ष महाशिवरात्रि पर विशाल संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। इस वर्ष भी श्रद्धा और उत्साह का वही दृश्य देखने को मिला। धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता के इस आयोजन ने पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण का संचार किया और महाशिवरात्रि का पर्व भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ।

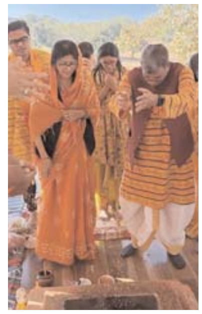

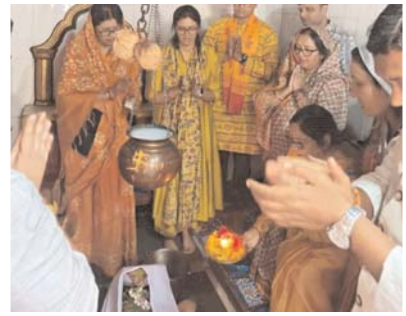

पांडवपारा कालरी झिलिमिली परियोजना का सीएमडी एसईसीएल ने किया निरीक्षण

कोरिया बैकुंठपुर। (एसईसीएल) के सीएमडी हरीश दुहन ने पांडवपारा कालरी, झिलिमिली परियोजना का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक बैकुंठपुर क्षेत्र बी.एन. झा भी उनके साथ उपस्थित रहे। परियोजना स्थल पर पहुंचने पर सब एरिया मैनेजर आर.पी. मिश्रा ने बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। वहीं खान प्रबंधक पांडवपारा बी.एन. पांडे ने भी पुष्प गुच्छ देकर अभिवादन किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय जेसीसी सदस्य लक्ष्मी प्रसाद सहित बैकुंठपुर क्षेत्र के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान सीएमडी ने सर्वप्रथम न काटा घर, ट्रांसपोर्ट रोड, पांडवपारा कालरी की एसी कैंटीन, खदान का मेन मुहाड़ा, ट्रांसपोर्ट मुहाड़ा तथा बेल्ट मुहाड़ा का जायजा लिया। सब एरिया मैनेजर ने खदान के प्लान के माध्यम से उत्पादन व्यवस्था, सुरक्षा मानकों एवं भविष्य की कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। सीएमडी श्री दुहन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित उत्पादन लक्ष्य को हर हाल में सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और कार्यस्थल पर सभी आवश्यक सावधानियों का कड़ाई से पालन किया जाए। इस अवसर पर महाप्रबंधक (विद्युत एवं यांत्रिकी) बी. दास, क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी जी.एस. परिहार, सुरक्षा अधिकारी आर. अग्रवाल, उत्पादन प्रभारी ए.के. सिंह, डिप्टी मैनेजर संदीप यादव, नवीन चंदेल, लल्लू लाल कोरी, क्षेत्रीय सिविल अभियंता मीना साहब, लरगुराम, बी.एल. पटेल एवं सतीश कुमार भी उपस्थित रहे। निरीक्षण कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने परियोजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए भविष्य में और बेहतर समन्वय एवं दक्षता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

बोर्ड परीक्षा 2025-26 के लिए गोपनीय सामग्री का वितरण

कोरिया। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देशानुसार हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा सत्र 2025-26 के लिए गोपनीय सामग्री का वितरण किया गया। गोपनीय सामग्री का वितरण शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बैकुंठपुर से मंडल के प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन कोरिया के अधिकारियों की उपस्थिति में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच किया गया। जिले के 25 परीक्षा केंद्रों के केंद्राध्यक्षों को विधिवत सामग्री सुपुर्द की गई।

काशी विश्वनाथ का दर्शन कर सुख समृद्धि की कामना की

कोरिया बैकुंठपुर। सदस्य जिला पंचायत कोरिया श्रीमती गीता राजवाड़े ने महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर काशी नगरी स्थित विश्वप्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान शिव के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्रद्धा और आस्था के इस विशेष दिन मंदिर परिसर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से संपूर्ण वातावरण शिवमय हो गया।

महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर को आकर्षक फूलों और रोशनी से सजाया गया था। सुबह से ही श्रद्धालु कतारबद्ध होकर बाबा विश्वनाथ के दरबार में पहुंच रहे थे। विधि-विधान से रुद्राभिषेक, जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन का क्रम निरंतर चलता रहा। भक्तों ने बेलपत्र, धतूरा, पुष्प और गंगाजल अर्पित कर भगवान शिव से सुख-समृद्धि की कामना की। इस मंगल अवसर पर भगवान भोलेनाथ से समस्त क्षेत्रवासियों की खुशहाली, उत्तम स्वास्थ्य और चहुंमुखी विकास के लिए प्रार्थना की गई।

देश और प्रदेश की उन्नति, आपसी सौहार्द तथा सामाजिक समरसता की भावना सुदृढ़ हो, यही कामना की गई। महाशिवरात्रि का पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि संयम, साधना और आत्मचिंतन का भी संदेश देता है। इस संबंध में गीता राजवाड़े ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य फलदायी होती है। बाबा विश्वनाथ की नगरी में दर्शन प्राप्त कर मन में अद्भुत शांति और ऊर्जा का संचार हुआ।

शिव महापुराण कथा में डॉ महंत परिवार की उपस्थिति

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के सोनहत की पावन धरा पर आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के अंतिम दिवस का दृश्य अत्यंत भावपूर्ण, भक्तिमय और ऐतिहासिक रहा। समापन अवसर पर श्रद्धालुओं का विशाल जनसमूह कथा पंडाल में उमड़ पड़ा, जिससे पूरा वातावरण हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति रस से सराबोर इस आयोजन ने क्षेत्र में धार्मिक चेतना का नया संचार किया।

इस पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का आगमन हुआ। उनके पहुंचते ही आयोजकों और श्रद्धालुओं ने पुष्पमालाओं एवं पारंपरिक स्वागत के साथ उनका अभिनंदन किया। मंत्री श्री जायसवाल ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर प्रदेश और क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। अपने प्रेरक उद्बोधन में मंत्री श्री जायसवाल ने सनातन धर्म के मूल तत्वों को स्वास्थ्य, चिकित्सा और शिक्षा से जोड़ते हुए विस्तृत विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति केवल पूजा-पाठ और अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है। सनातन परंपरा में आयुर्वेद, योग, संयमित दिनचर्या, प्राकृतिक चिकित्सा और संस्कार आधारित शिक्षा का विशेष महत्व है, जो समाज को स्वस्थ और सशक्त बनाने का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि धर्म का वास्तविक अर्थ मानव कल्याण है। जब व्यक्ति आध्यात्मिक रूप से जागरूक होता है, तो उसका जीवन संतुलित और अनुशासित बनता है। यही संतुलन उसे शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से सुदृढ़ बनाता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कारों और परंपराओं को भी आत्मसात करें, तभी एक स्वस्थ समाज और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव है। मंत्री श्री जायसवाल ने आगे कहा कि आज के तनावपूर्ण और भागदौड़ भरे जीवन में शिव महापुराण जैसी कथाएं हमें आत्मचिंतन, संयम और सकारात्मक सोच की प्रेरणा देती हैं। भगवान शिव त्याग, तपस्या और करुणा के प्रतीक हैं। उनके जीवन से हमें सादगी, समरसता और सेवा की भावना सीखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि यदि समाज शिवत्व को अपने आचरण में उतार ले, तो अनेक सामाजिक समस्याओं का समाधान स्वत: संभव हो सकता है। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा के अंतिम दिन विशेष पूजन, हवन एवं भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। महिलाओं, युवाओं और बच्चों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को और भी भव्य बना दिया। सोनहत में उमड़े अपार जनसमूह ने यह सिद्ध कर दिया कि सनातन विचारधारा आज भी जन-जन के हृदय में जीवंत है। यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक जागरूकता और नैतिक मूल्यों के पुनर्जागरण का माध्यम बनकर उभरा। श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव से ओतप्रोत इस ऐतिहासिक समापन समारोह ने क्षेत्र की आध्यात्मिक चेतना को नई दिशा प्रदान की।

घुटरीटोला शिव मंदिर में उमड़ी आस्था की लहर

मेघानी परिवार द्वारा आयोजित भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

मनेन्द्रगढ़। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर घुटरीटोला स्थित शिव मंदिर घुटरीटोला में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। तड़के सुबह से ही श्रद्धालुओं का मंदिर पहुंचना शुरू हो गया था। मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा और फूल-मालाओं से सजाया गया था जिससे पूरा वातावरण शिवमय हो उठा। भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक एवं बेलपत्र अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। पूरे दिन हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष गूंजते रहे। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर मेघानी परिवार द्वारा विगत कई वर्षों की परंपरा को निभाते हुए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सुव्यवस्थित व्यवस्था के बीच हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में पूड़ी-सब्जी, चांवल, हलवा सहित अन्य व्यंजनों का वितरण किया गया। उपस्थित लोगों ने अनुशासन बनाए रखते हुए श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की तथा मेघानी परिवार के इस सेवा कार्य की सराहना की। श्रद्धालुओं ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन से आपसी भाईचारा और सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलता है। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। महाशिवरात्रि का यह पर्व क्षेत्र में श्रद्धा और आस्था का प्रतीक बनकर यादगार रहा।

चौथे दिन गूंजा भागवत अमृत, गढ़वा से पहुंचे श्रद्धालु

रामानुजगंज। ज्ञान यज्ञ परिवार, रामानुजगंज के तत्वावधान में धर्मशाला परिसर में आयोजित पांच दिवसीय ज्ञानोत्सव 2026 के अंतर्गत श्रीमद्भागवत अमृत कथा का क्रम निरंतर जारी है। कथा के चौथे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया। छत्तीसगढ़ के साथ-साथ झारखंड के गढ़वा से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंचे। सामाजिक चिंतक एवं विचारक बजरंग मुनि से विचारों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में सम्मिलित हो रहे हैं। कथा व्यास आचार्य बलदेव महाराज ने श्रीमद्भागवत के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को दिशा देने वाला दिव्य मार्गदर्शक है। भागवत कथा के श्रवण से अंतर्मन शुद्ध होता है और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने कहा कि कलियुग में भगवान के नाम का स्मरण और भागवत कथा का श्रवण ही मोक्ष का सरल मार्ग है। देर शाम आयोजित प्रवचन में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन पर प्रकाश डालते हुए संतों ने कहा कि श्रीराम का जीवन त्याग, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा का अनुपम उदाहरण है, जिसे अपनाकर समाज में नैतिक मूल्यों और समरसता को मजबूत किया जा सकता है। कथा के चौथे दिन गढ़वा से पधारे श्रद्धालुओं में प्रमुख रूप से आर्य समाज गढ़वा के प्रमुख विनय प्रकाश, संरक्षक ज्ञान प्रकाश केशरी, समाजसेवी विजय कुमार केसरी, कमलेश गुप्ता, विनय प्रकाश केसरी, प्रोफेसर उमेश सहाय, शकुंतला गुप्ता, लता गुप्ता, अनुपम केसरी, सुशील केसरी सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा और भी बढ़ गई।

आरोपी गिरफ्तार

कांकेर। पुलिस ने महुआ शराब के साथ किया गया आरोपी उमेश कुमार मरकाम को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में ,अति. पुलिस अधीक्षक योगेश साहू, उप पुलिस अधीक्षक अविनाश ठाकुर के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे।

सामुहिक विवाह में रेणुका से लिपटी नवविवाहित, लोग हुए भावुक

कोरिया बैकुंठपुर। विधायक रेणुका सिंह ने बता दिया कि कन्यादान का महत्व क्या होता है एक ऐसा भावुक दृश्य, जिसे शब्दों में समेट पाना सचमुच कठिन है। एक बेटी की विदाई का वह क्षण, जब वर्षों से संजोए गए स्नेह, अपनत्व और भावनाओं का सैलाब एक साथ उमड़ पड़ा। विवाह समारोह की सभी रस्में पूर्ण हो चुकी थीं, मंगलगीतों की ध्वनि वातावरण में गूंज रही थी, पर जैसे ही विदाई का समय आया, माहौल अचानक भावनाओं से भीग गया।

यह कोई साधारण विदाई नहीं थी। यह उस बेटी की विदाई थी, जिसने बचपन से ही मां-बाप का साया नहीं पाया। जीवन की कठिनाइयों के बीच पली-बढ़ी इस बेटी ने हमेशा अपने भीतर एक खालीपन महसूस किया था। लेकिन उसके विवाह के दिन वह अकेली नहीं थी। पूरा समाज उसके साथ खड़ा था। जनप्रतिनिधियों और सामाजिकजनों ने न केवल उसकी शादी की जिम्मेदारी उठाई, बल्कि उसे वह आत्मीयता भी दी, जिसकी उसे हमेशा तलाश रही। विदाई के क्षण में जब वह बेटी अपने संरक्षक से लिपटकर फूट-फूट कर रो पड़ी, तो वहां उपस्थित हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। उसकी सिसकियों में एक ही दर्द झलक रहा था— 'मेरी मां नहीं है... आज आप ही मेरी मां हैं।' यह शब्द सुनकर वातावरण पूरी तरह भावुक हो उठा। उस पल वहां मौजूद जनप्रतिनिधि केवल एक पदाधिकारी नहीं रहे, बल्कि एक पिता, एक मां और एक सच्चे अभिभावक बन गए। उन्होंने भी बेटी को गले लगाकर उसे ढांढस बंधाया और उसके उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। समारोह में उपस्थित लोगों ने एक स्वर में कहा, 'आज से यह हमारी बेटी है।' कन्यादान की रस्म भी पूरे सामाजिक दायित्व के साथ निभाई गई। जब यह घोषणा हुई कि समाज ने मिलकर इस बेटी का कन्यादान किया है, तो उपस्थित हर व्यक्ति के हृदय में अपनत्व की भावना और गहरी हो गई। यह दृश्य मानवता, करुणा और सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण बन गया।

पूरा वातावरण भावनाओं से सराबोर था। महिलाएं आंसू पोंछते हुए बेटी को आशीर्वाद दे रही थीं, बुजुर्ग उसके सुखद भविष्य की कामना कर रहे थे और युवा पीढ़ी इस दृश्य को देखकर भावुक हो उठी। यह केवल एक विवाह समारोह नहीं था, बल्कि समाज की संवेदनशीलता और संस्कारों की शक्ति का प्रमाण था। इस विदाई ने यह संदेश दिया कि रिश्ते केवल रक्त संबंधों से नहीं बनते, बल्कि प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी से भी बनते हैं। जब समाज एकजुट होकर किसी जरूरतमंद का सहारा बनता है, तो वह परिवार से कम नहीं होता। समारोह के अंत में सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि इस बेटी का वैवाहिक जीवन सुख, सम्मान और असीम प्रेम से परिपूर्ण हो। सचमुच, एक बेटी की विदाई ने पूरे समाज को भावुक कर दिया और यह साबित कर दिया कि मानवता आज भी जीवित है।

स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों ने भी दी एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के 'शिमला' कहे जाने वाले मैनपाट में आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव का दूसरा दिन अद्भुत उत्साह और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के नाम रहा। अलका चंद्राकर की सुमधुर आवाज और इण्डियन आइडल फेम वैशाली रायकवार की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को देर रात तक झूमने पर मजबूर कर दिया। महोत्सव स्थल पर मेले, बोटिंग और दंगल प्रतियोगिता का भी लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की गूंज अकार्यक्रम में मशहूर छत्तीसगढ़ी लोक गायिका अलका चंद्राकर की प्रस्तुति ने भक्तिमय जसगीत से समां बांधा और इसके बाद ददरिया, सुवा गीत और पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बॉलीवुड गानों पर झूमे दर्शक इण्डियन आइडल एवं सारेगामापा फेम वैशाली रायकवार ने अपनी शानदार बॉलीवुड गीतों की प्रस्तुति से महफिल में जान डाल दी। उनके गानों की एक के बाद एक कड़ियों पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्थानीय और ट्रांसजेंडर कलाकारों ने बटोरी सुर्खियां ट्रांसजेंडर कलाकारों का अनोखा नृत्य: जांजगीर-चाम्पा से आए शांति प्रतिमा डांस ग्रुप के ट्रांसजेंडर कलाकारों ने 'नौ दुर्गा' के रूप में नृत्य नाटिका की शानदार प्रस्तुति दी। उनके जोश और उमंग से भरे प्रदर्शन ने दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं। स्थानीय प्रतिभाओं का जलवा स्थानीय कलाकारों में आँचल मदलियार, मनप्रीत, दिलबाग सिंह, माही जायसवाल और हर्ष पूरी ने भी शानदार गीत गाकर लोगों को बांधे रखा। शास्त्रीय और स्कूली नृत्य नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय अम्बिकापुर की छात्राओं ने कत्थक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं, स्कूली बच्चों ने भी गीत और नृत्य से सभी का मन मोह लिया। मेला, बोटिंग और दंगल का रोमांच सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ महोत्सव स्थल पर लगा शानदार मेला आकर्षण का केंद्र रहा, जहाँ देर शाम तक भारी भीड़ बनी रही। लोगों ने बोटिंग का भी खूब आनंद लिया। वहीं, दंगल प्रतियोगिता में पहलवानों के बीच हुए जबरदस्त मुकाबलों को देखने के लिए लोगों में होड़ मची रही। गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम में कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, जनपद उपाध्यक्ष अनिल सिंह, रजनीश पाण्डेय ,राम यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं विधायक रेणुका ने सोनहत में की पूजा अर्चना

कोरिया बैकुंठपुर। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर कोरिया जिले के सोनहत स्थित प्राचीन शिव मंदिर में श्रद्धा और आस्था का अनुपम दृश्य देखने को मिला। इस शुभ अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-शांति एवं समृद्धि के लिए मंगलकामनाएँ कीं। प्रात:काल से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। मंदिर को आकर्षक फूलों, बेलपत्र और विद्युत सज्जा से भव्य रूप से सजाया गया था। 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक एवं रुद्राभिषेक कर अपने परिवार और समाज के कल्याण की कामना की। इस अवसर पर आयोजित शिव महापुराण कथा का भी विशेष आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने अत्यंत श्रद्धा और भावपूर्ण मन से कथा का श्रवण किया। कथा वाचक ने भगवान शिव के त्याग, करुणा, सृष्टि संरक्षण और भक्तवत्सल स्वरूप का विस्तृत वर्णन करते हुए महाशिवरात्रि के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। कथा के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि भगवान शिव केवल संहार के देव नहीं, बल्कि सृजन, संतुलन और करुणा के प्रतीक हैं। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में प्रेम, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को मजबूत किया जा सकता है। भक्तिमय वातावरण में उपस्थित जनसमूह ने भजन-कीर्तन में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। ढोल-मंजीरों की ध्वनि और शिव स्तुति से पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो गया। श्रद्धालुओं ने उपवास रखकर और रात्रि जागरण कर भगवान शिव की आराधना की। इस दौरान सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के सुख, शांति और उन्नति की कामना की। अपने संक्षिप्त संबोधन में उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि का पर्व हमें संयम, सेवा और समर्पण का संदेश देता है। समाज में आपसी भाईचारे और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना ही इस पर्व का वास्तविक उद्देश्य है। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। संपूर्ण आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

एकाग्रता और समर्पण से मिलेगा लक्ष्य: माहुलिकर

कोरबा। राज्य शिक्षा अलंकरण से सम्मानित हेमंत माहुलिकर ने परीक्षा के सीजन में विद्यार्थियों को टिप्स दिए हैं। उन्होंने कहा की एकाग्रता, समर्पण और विषय वस्तु के प्रति गंभीरता निश्चित रूप से लक्ष्य के करीब आपको पहुंचाएगी। शिक्षक के साथ आदि क्षेत्रों में अपनी प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करने वाले हेमंत ने विद्यार्थियों को सलाह दी है कि अकादमिक सत्र के दौरान शिक्षकों से मिले ज्ञान को अच्छे से आत्मसात करना भी बड़ी बात होती है। विभिन्न बिंदुओं पर प्राप्त जानकारी हमारे अंतस में कितनी उतरी है, यह भी काफी मायने रखती है। विषय वस्तु का रिवीजन करना और कठिनाइयों पर विशेष रूप से ध्यान देना निश्चित तौर पर आपको सही स्थिति की तरफ ले जाती है और सफलता के लक्ष्य तय करती है। विशेष मामलों में शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला में ट्रेनर की भूमिका निभा चुके हेमंत ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

रिकांडो मार्ग पर टर्निंग के साथ गड्ढे बने जानलेवा

स्ट्रीट लाइट के नकारा होने के बीच भिड़ी दो बाइक, चार लोग घायल

कोरबा। कोरबा के मानिकपुर चौकी अंतर्गत रिकांडो मार्ग टर्निंग पर दो बाईक में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में एक बालक समेत चार लोग चोटिल हुए। उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खबर के अनुसार बुधवारी को जाने वाले रिकांडो मार्ग पर यह हादसा हुआ। इस रास्ते पर नगर निगम की स्ट्रीट लाइट काफी समय से डीएक्टिव है। इससे रात में कुछ नजर नही आता। इसी स्थान पर खतरनाक टर्निंग है। ऊपर से सड़क के दोनों तरफ अवैध कब्जा हो गया है। घटना के दौरान रास्ते मे चारपहिया और खड़ी थी तेज रफ्तार और ओवरटेक के चलते यह घटना हुई। बताया गया कि यहां 2 बाइक के तेज रफ्तार में होने से उनकी टक्कर हुई। इसमें बाइक सवार एक बालकब्सहित 4 लोग गिरकर घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत संज्ञान लिया। घायलों की सुध ली। मानिकपुर चौकी पुलिस को अवगत कराया। कुछ देर पुलिस यहां आई। उसने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। इससे पहले भी इसी प्वाइंट पर इस तरह की घटनाएं हुई है। अब तक इस डेंजर स्पॉट की खामियां नहीं सुधारी जा सकी है। बुरी तरह से क्षतिग्रस्त वाहन को जप्त कर आगे की कार्रवाई शुरू की। बताया जा रहा है कि टीपी नगर से लेकर बुधवारी बाईपास तक यह व्यवस्था बदहाल है। सड़क किनारे कई चार पहिया और बड़े वाहन खड़े हुए हैं वहीं दुकान के बाहर गाड़ियां रखी हुई है।

ठेकेदार का ध्यान नहीं व्यवस्था सुधारने में

कुआंभट्ठा रिहायशी क्षेत्र सहित विभिन्न कार्यों के लिए इस रास्ते से होकर आवागमन करने वाले लोगों का कहना है कि काफी समय से यहां की स्ट्रीट लाइट नहीं जल रही है। शाम होने से लेकर अगली सुबह तक अंधेरे के बीच आना-जाना करना होता है। ठेके पर स्ट्रीट लाइट का काम दिया गया है लेकिन ठेकेदार को इस काम में रूचि नहीं है। इससे लोगों की जान जोखिम में है।

इस सड़क का सुधार आखिर कब?

प्रशासन के निर्देश पर एक महीना पहले पीडब्ल्यूडी और नगर निगम ने कुछ सड़कों की बदहाली की तस्वीर को मिटाने के लिए अभियान शुरू किया। इनमें कई मार्ग को शामिल करते हुए वहां पर पेंच वर्क किया गया। नगर निगम और दूसरे क्षेत्र की सड़कें इस काम का हिस्सा थी। शहरी क्षेत्र में पीएच रोड, निहारिका, बुधवारी और कोरबा शहर के कुछ हिस्से की सड़कों के गड्ढों को पाटने का काम किया गया। उपनगरीय क्षेत्रों में भी इस प्रकार के काम या तो किए गए या फिर प्रक्रिया में है। कोरबा मुख्य शहर के भीतर अपनी अहमियत रखने वाले रिकांडो रोड के बड़े हिस्से में लंबे समय से गड्ढे मौजूद हैं, ये आवागमन के लिए बाधक बन रहे हैं। इनके चक्कर में आए दिन लोगों का गिरना-पड़ना जारी है। अधिकारी भी इस रास्ते से होकर जाते हैं। सवाल हैं कि ये गड्ढे कब भरे जाएंगे।

परीक्षा के दौर में लाउड स्पीकर का शोर परेशान कर रहा छात्रों को

गली-मोहल्ले में अलग-अलग समय मुश्किलें

कोरबा। सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से शुरू हो रही है जबकि माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाएं अगले हफ्ते प्रारंभ होंगी। विद्यार्थी परीक्षा की चुनौती से निपटने की तैयारी में जुटा हुआ है। इन सबके बीच शहर से लेकर उपनगरीय क्षेत्रों में लाउड स्पीकर की आवाज उनकी चेतना को बाधित कर रही है। इस पर रोक की जरूरत है।

खबर के अनुसार कहीं सुबह 4 बजे से यह सिलसिला शुरू होता है तो कहीं दूसरे समय पर शोर-शराबा जारी रहता है। रात के 10 बजे तक आम लोगों सहित विद्यार्थियों के कानों में अलग-अलग तरह की आवाजें भिन्न-भिन्न प्रकार से गूंजती हैं। इससे उन्हें कोई जानकारी तो नहीं मिलती लेकिन मानसिक स्तर में बाधा जरूर होती है। शादी-विवाह में बजने वाले डीजे से लेकर दूसरे कार्यक्रमों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग लोगों का शौक बन चुका है। इसके साथ ही लोगों को उठाने और बताने से लेकर अन्य जानकारी देने के लिए भी अलग-अलग कार्यक्रम में ऐसे उपकरणों का जबरदस्त प्रयोग हो रहा है। ऐसे यंत्रों का उपयोग करने वाला यंत्र इस बात से बेखबर है कि बोर्ड के छात्र परीक्षा की तैयारी में जुटे हैं। अगले कुछ दिन बाद कॉलेज और गृह परीक्षाएं सिर पर होंगीं। ऐसे में डीजे सहित स्पीकर का उपयोग करने वालों को कोई मजलब नहीं रह गया है कि वे आखिर इससे दूरी कैसे बनाएंगे। उनके अपने तर्क हैं और दूसरों की परेशानी से वास्ता नहीं। हालांकि कुछ स्तर पर लोगों ने शिकायत की है, किंतु नतीजे सिफर हैं। पुलिस भी इस तरह की शिकायतों पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देती है। परीक्षाओं के मद्देनजर क्या ऐसे आयोजनों पर रोक से लेकर ध्वनि विस्तारक यंत्रों को हासिए पर रखने की व्यवस्था प्रशासन नहीं कर सकता? हालांकि पिछले हफ्ते ही जिला प्रशासन द्वारा परिपत्र जारी कर कहा गया है कि 16 फरवरी से अगले आदेश तक कोरबा जिले में ऐसे सभी ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर रोक लगाया गया है। इस पर कितना अमल होता है, यह इंतजार विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को जरूर रहेगा।

अलौकिक बारात में जन भागीदारी : कोरबा में महाशिवरात्रि पर पीएच रोड स्थित शिव मंदिर से दुरपा रोड काली मंदिर तक शिव बारात निकाली गई। कई तामझाम के साथ इसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी हुई। जबरदस्त भीड़ के कारण नहर पुल से मुख्य मार्ग तक जाम की स्थिति निर्मित हुई और आम आवागमन भी बाधित हुआ।

होलिका की तैयारी, पुलिस अलर्ट

कोरबा। फाल्गुन मास में होलिका दहन को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में प्राथमिकता तैयारियां शुरू हो गई है। होलियों का आकार लगातार बढ़ रहा है। इस बीच पुलिस ने भी होली के हिसाब से अपनी कार्ययोजना बनानी तय की है। कहा जा रहा है कि जल्द ही शांति समिति की बैठक थाना-चौकी स्तर पर ली जाएगी। लोगों को संदेश देना है कि गरिमा और मर्यादा के बीच होली त्योहार मनाएं। सीमाएं पार होने पर पुलिस कठोर कार्यवाही करेगी।

मेले में गुमी बालिका को पुलिस ने खोजा

कोरबा। बांगो शिव मंदिर में आयोजित मेले के दौरान उस वक्त हड़कंप मच गया जब भारी भीड़ के बीच एक छोटी बच्ची अपने परिजनों से बिछड़ गई। मेले में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी हुई थी। पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार माइक से समझाइश दी जा रही थी कि अभिभावक अपने बच्चों पर विशेष ध्यान रखें, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। इसी बीच परिजनों की लापरवाही के कारण बच्ची भीड़ में गुम हो गई। वही ड्यूटी पर तैनात बांगो पुलिस की नजर रोती हुई बच्ची पर पड़ी, जिसके बाद उसे तत्काल अपनी सुरक्षा में लिया गया। पुलिस ने बच्ची से पूछताछ की, लेकिन वह घबराई हुई थी। उधर मेला समिति की ओर से साउंड सिस्टम के माध्यम से लगातार मुनादी कराई जाती रही। काफी समय तक परिजनों का पता नहीं चल पाया, जिससे चिंता बढ़ गई। आखिरकार लंबे इंतजार के बाद घबराए हुए परिजन पुलिस तक पहुंचे। पुष्टि होने के बाद बच्ची को सुरक्षित परिजनों को सौंप दिया गया। बताया जा रहा है कि बच्ची ठाड़पखना गांव की रहने वाली है। जहाँ एत्मानगर सरपंच व स्थानीय सम्राट यादव से भी परिजनों को पहचान कराया गया फिर बच्ची को सुपुर्द किया गया। इस दौरान परिजनों ने पुलिस और मेला समिति का आभार व्यक्त किया। पुलिस प्रशासन ने एक बार फिर अपील की है कि मेले और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर बच्चों को अकेला न छोड़ें और उन पर विशेष नजर रखे।

पसान में लगेगा कांग्रेस का चौपाल

कोरबा। मनरेगा का नाम परिवर्तन किए जाने पर कांग्रेस के द्वारा गांवों में चौपाल लगाया जा रहा है। आज पसान में चौपाल लगाकर कांग्रेसी जन जागरण करते हुए विरोध करेंगे। इस कार्यक्रम में सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत के अलावा जिला ग्रामीण अध्यक्ष मनोज चौहान भी उपस्थित रहेंगे। युवक कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री लक्ष्मी कंवर व तानाखार अध्यक्ष अंकित पाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता प्रदर्शन करेंगे। कल रामपुर विधानसभा क्षेत्र में चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसकी तैयारी की जा रही है।

कैंटीन खुलवाने पर होगी चर्चा

कोरबा। एसईसीएल गेवरा प्रोजेक्ट का कैंटीन काफी दिनों से बंद है। कामगारों के द्वारा कैंटीन को पुन: चालू करने की मांग की जा रही है। प्रबंधन इस मामले में जेसीसी सदस्यों की बैठक बुलाएगी और इसमें चर्चा की जाएगी कि कैंटीन में किन लोगों को लाया जाए। माना जा रहा है कि यहां कि महिला कर्मियों को कैंटीन में पदस्थ किया जा सकता है। जेसीसी सदस्य शेख चांद मंसूरी, चंद्रशेखर राठौर, छंदराम राठौर, अनुज राम भी होने वाले जेसीसी बैठक में वर्कर्स क्लब के मामले को भी सामने रखेंगे, ताकि भविष्य में वर्कर्स क्लब का संचालन काफी अच्छे ढंग से किया जा सके।

कहीं भी खड़ी की गाड़ियां, ट्रैफिक पुलिस ने किया लॉक, ट्रांसपोर्ट नगर से पुराना बस स्टैंड तक कार्रवाई

कोरबा। शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य मार्गों और बाजार क्षेत्र में कहीं भी वाहन खड़ा कर आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वाले वाहन चालकों पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने लॉक (व्हील क्लैम्प) की कार्रवाई की।

यह अभियान ट्रांसपोर्ट नगर चौक से पुराना बस स्टैंड तक चलाया गया, जहां सड़क किनारे और नो-पार्किंग जोन में खड़ी कई दोपहिया और चारपहिया वाहनों पर लॉक लगाकर जुर्माना किया गया। कार्रवाई के दौरान वाहन चालकों में हड़कंप की स्थिति देखी गई। शहर के व्यस्ततम मार्गों में गाड़ियों की मनमानी पार्किंग से रोजाना जाम की स्थिति बन रही थी। खासकर ट्रांसपोर्ट नगर चौक, पुराना बस स्टैंड और आसपास के व्यावसायिक क्षेत्रों में वाहन सड़क के बीचों-बीच या फुटपाथ पर खड़े कर दिए जाते थे, जिससे राहगीरों और अन्य वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने बताया कि लगातार मिल रही शिकायतों और बढ़ती अव्यवस्था को देखते हुए यह अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर व्हील लॉक लगाकर चालान काटा गया। संबंधित वाहन मालिकों को जुर्माना अदा करने के बाद ही वाहन मुक्त किए गए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल एक दिन की नहीं, बल्कि नियमित रूप से जारी रहेगी।

पुलिस की अपील

ट्रैफिक पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें और नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़ा न करें। नियमों की अनदेखी करने पर आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि शहर में निर्बाध और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना प्राथमिकता है और इसके लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

मेयर के हाथों आज शाम शुरू होगा प्रेस क्लब का क्रिकेट टूर्नामेंट

कोरबा। स्व. केशव लाल मेहता स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज 16 फरवरी की शाम 7 बजे किया जाएगा। इसके लिए कोरबा प्रेस क्लब के द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। रंगारंग कार्यक्रम व आतिशबाजियों के बीच इस स्पर्धा का शुभारंभ मेयर संजूदेवी राजपूत के द्वारा किया जाएगा। इसके लिए ओपन ऑडिटोरियम घंटाघर को पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है। सभी मैच धूधिया रौशन में खेला जाएगा। विगत 22 वर्षों से टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी इस प्रतियोगिता को आकर्षक बनाने के लिए कोरबा प्रेस क्लब ने तैयारी पूरी की है। इस टूर्नामेंट हर वर्ष कॉर्पोरेट घरानों के साथ ही समस्त शासकीय विभागों की टीम को एक मंच पर लेकर आता है। टूर्नामेंट में इस बार भी कलेक्ट्रेट 11, एसपी 11, बालको 11, मेयर 11, कमिश्नर 11, एनटीपीसी, सीएसईबी और अडानी पावर, एसईसीएल कोरबा, एसईसीएल कुसमुंडा, सीएसपीडीसीएल, फॉरेस्ट 11, मेडिकल कॉलेज 11, एजुकेशन 11, अधिवक्ता 11 और प्रेस क्लब कोरबा की टीम हिस्सा लेंगी।

भाजपा मोर्चा प्रकोष्ठों की बैठक में शामिल होने गए कार्यकर्ता

कोरबा। आज भाजपा की मोर्चा प्रकोष्ठों के कार्यकर्ताओं की बैठक रायपुर में आयोजित की गई है। जिसमें जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी के अलावा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के भागवत विश्वकर्मा, डॉ. विजय राठौर, सरजू अजय, राजेश लहरे, चुलेश्वर राठौर सहित अनेकों कार्यकर्ता रायपुर के लिए रवाना हुए हैं। आने वाले दिनों में कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी। संगठन को मजबूत बनाने के लिए कई कार्यक्रमों पर चर्चा होगी।

प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता गेवरा में शुरू

कोरबा। एसईसीएल गेवरा प्रोजेक्ट में प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता आज से शुरू हो रहा है। इस प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता में कई जिले शामिल होंगे। खासकर खदान में दुर्घटना होने पर उपचार कैसा होना चाहिए इसे प्रतियोगी सामने रखेंगे।

आवश्यकता है
कोरबा में अनुभवी कार ड्रायवर की शीघ्र आवश्यकता है।
// संपर्क करे //
मो. 9826389894

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com